वर्ष-11 अंक-54 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये
प्रयागराज, शुक्रवार 02 मई 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
11 YEARS ANNIVERSARY
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

पूर्बा मेदिनीपुर के दीघा में जगन्नाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दीघा में श्री जगन्नाथ मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में भाग लिया। समारोह के बाद एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ममता ने मंदिर में विराजमान भगवान जगन्नाथ की पहली झलक दिखाई।पश्चिम बंगाल में श्री जगन्नाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। पूर्बा मेदिनीपुर के दीघा में जगन्नाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में सीएम ममता बनर्जी भी शामिल हुईं। सीएम ममता ने समारोह के बाद अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर तस्वीरों के साथ संदेश साझा किया। एक्स पर अपने संदेश में ममता ने लिखा, कहा, 'यह हमेशा याद रखने वाला क्षण है। दीघा में जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान भगवान जगन्नाथ की पहली झलक मेरे दिल में अंकित रहेगी। मैंने महसूस किया कि पवित्र मूर्ति से निकलने वाली दिव्य चमक से मेरी आत्मा में ताजगी भर गई। मुझे आरती करने के साथ मां, माटी, मानुष पर ब्रह्मांड के भगवान का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। दीघा के इस धार्मिक कार्य से पहले प्रदेश में सियासी टिप्पणियों की छौंक भी लगती दिखी। विगत 27 अप्रैल को केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा था कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भगवान जगन्नाथ के ठकंधों पर चढ़करठ आगामी राज्य विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पुलिस 4 घंटे तक मुर्शिदाबाद नहीं पहुंची और इसी वजह से चंदन और हरगोबिंद दास की हत्या कर दी गई। एक तरफ आप हिंदुओं को मार रहे हैं और दूसरी तरफ आप मंदिर बना रहे हैं। मंदिर या मस्जिद बनाना सरकार का काम नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा बोले- आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े होंगे सशक्त, समावेश को मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य नेताओं ने जाति जनगणना पर प्रतिक्रिया दी। नड्डा ने कहा कि यह फैसला आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े सभी वर्गों को सशक्त करेगा। वहीं, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जाति गणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की और ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। इसके अलावा, नीतीश कुमार ने भी केंद्र के इस फैसले का स्वागत किया।जाति गणना पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, यह फैसला आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े सभी वर्गों को सशक्त करेगा, समावेश को बढ़ावा देगा और वंचितों की प्रगति के लिए नए रास्ते तैयार करेगा। नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। नड्डा ने सोशल मीडिया पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जाति गणना का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को मुख्यधारा में लाने और लंबे समय से अपने अधिकारों से वंचित लोगों को सम्मान दिलाने की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय से कांग्रेस ने जातियों के बीच

वैमनस्य बढ़ाकर और उन्हें वोट बैंक का साधन बनाकर अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति की है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया, जिसका प्रमाण यह है कि आजादी के बाद आज तक देश में जाति जनगणना नहीं हुई है। मोदी सरकार का यह अभूतपूर्व निर्णय सामाजिक समरसता बढ़ाएगा।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जाति गणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना की और ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा, जाति गणना विभिन्न जातियों के वास्तविक जनसांख्यिकीय आंकड़ों के आधार पर सटीक नीति-निर्माण को सक्षम करके सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत करेगी। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार ने कहा कि जाति गणना कराने का केंद्र सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है। यह हम लोगों की पुरानी मांग है। बेहद खुशी की बात है कि केंद्र सरकार ने जाति गणना कराने का निर्णय किया है। इससे विभिन्न वर्गों के लोगों की संख्या का पता चलेगा, जिससे उनके विकास का प्रयास होगा।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने जाति गणना का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इससे सरकार को लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को तैयार करने के लिए डाटा मिलेगा, लेकिन ऐसे डाटा को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। इससे जातिवाद को बढ़ावा मिल सकता है।

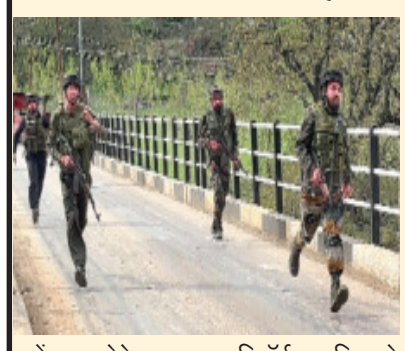

पाकिस्तान पर शिकंजे के लिए डोजियर तैयार; भारत ने दुनिया को बताया कहां-कहां फैलें आतंक के तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत कई बार अपनी जमीन पर हुए आतंकी हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता का सबूत दे चुका है। पड़ोसी मुल्क का आतंकियों को प्रायोजित करने और

उन्हें पनाह देने का दागदार रिकॉर्ड रहा है। न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी बड़े आतंकी हमलों में पाकिस्तान की जमीन पर पल-बढ़ रहे आतंकी संगठनों की भूमिका जगजाहिर है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से दुनिया में अलग-थलग करने के लिए सबूतों का दस्तावेज यानी डोजियर तैयार कर लिया है। इसमें बताया गया है कि कैसे दुनिया के हर आतंकी हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं और पाकिस्तान अपनी जमीन पर कैसे आतंकी संगठनों को प्रश्रय के साथ सुरक्षा उपलब्ध करा रहा है। पहलगाम हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता जगजाहिर है। भारत उसे हर हाल में कड़ा सबक सिखाएगा।सूत्रों ने बताया, भारत कई बार अपनी जमीन पर हुए आतंकी हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता का सबूत दे चुका है। पड़ोसी मुल्क का आतंकियों को प्रायोजित करने और उन्हें पनाह देने का दागदार रिकॉर्ड रहा है। न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी बड़े आतंकी हमलों में पाकिस्तान की जमीन पर पल-बढ़ रहे आतंकी संगठनों की भूमिका जगजाहिर है। पहलगाम मामले में भी हमने मित्र देशों को पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में बताया है। अब पाकिस्तान के इन्कार का कोई अर्थ नहीं है।डोजियर में भारत सहित दुनियाभर में हुए आतंकी हमलों में पाकिस्तान में पल रहे आतंकी संगठनों की भूमिका की विस्तार से जानकारी दी गई है।

जलवायु परिवर्तन से वैश्विक रक्त उपलब्धता पर बढ़ा संकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बढ़ती गर्मी, अनियमित बारिश और मौसम की चरम घटनाओं से उत्पन्न होने वाली बीमारियां अब नए-नए क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों के कारण रक्तदान करने वालों की संख्या में कमी आ रही है, जबकि

दूसरी ओर अस्पतालों में खून की मांग लगातार बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मानव जीवन के हर पहलू पर देखा जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य क्षेत्र भी प्रमुख रूप से शामिल है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक शोध अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विश्वभर में रक्तदान की उपलब्धता पर संकट गहरा रहा है।अध्ययन के अनुसार बढ़ती गर्मी, अनियमित बारिश और मौसम की चरम घटनाओं से उत्पन्न होने वाली बीमारियां अब नए-नए क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों के कारण रक्तदान करने वालों की संख्या में कमी आ रही है, जबकि दूसरी ओर अस्पतालों में खून की मांग लगातार बढ़ रही है। यह दोहरा दबाव भविष्य में रक्त की भारी किल्लत की चेतावनी दे रहा है। भविष्य में मरीजों के लिए सही रक्त खोजना और भी मुश्किल हो सकता है। समुद्र का स्तर बढ़ने से लोगों का पलायन बढ़ेगा, नतीजन अलग-अलग समुदायों के लिए रक्त की आवश्यकता बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सनशाइन कोस्ट और ऑस्ट्रेलियन रेड क्रॉस लाइफब्लड के शोधकर्ताओं का कहना है कि गर्मी, बाढ़, तूफान और जंगलों की आग जैसी आपदाएं लोगों की आवाजाही को बाधित करती हैं। इससे रक्त संग्रहण, उसकी जांच, भंडारण और वितरण जैसे जरूरी कार्यों में कठिनाई आती है। रक्त की शेल्फ लाइफ बहुत कम होती है, इसलिए समय पर इसकी आपूर्ति अत्यंत आवश्यक होती है।डेंगू, मलेरिया और वेस्ट नाइल वायरस जैसी मच्छर जनित बीमारियां नए क्षेत्रों तक फैल रही हैं। साथ ही हृदय रोग, गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं और सिकल सेल एनीमिया जैसी स्थितियों में भी रक्त की आवश्यकता अधिक होती जा रही है। इसी तरह अदृश्य बीमारियां और गर्मी से जुड़ी समस्याएं भी रक्तदान करने वालों के साथ-साथ अस्पताल के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रभावित कर रही हैं।

फडणवीस ने फिर किया आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास 'वर्षा' में प्रवेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फडणवीस ने फिर किया

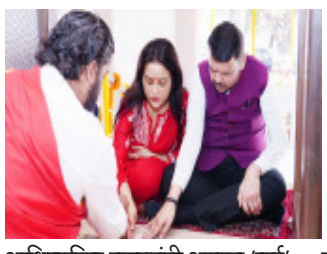

आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास 'वर्षा' में प्रवेश, 2019 में खाली किया था बंगला महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के करीब पांच महीने बाद देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को दक्षिण मुंबई स्थिति अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में प्रवेश किया। फडणवीस करीब पांच साल छह महीने बाद उसी जगह रहेंगे, जहां वे 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान रहते थे। मुख्यमंत्री के रूप में सिर्फ 80 घंटे के दूसरे कार्यकाल के बाद नवंबर 2019 में उन्होंने बंगला खाली कर दिया था। जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार सत्ता में आई तो फडणवीस विपक्ष के नेता बने। तब वे 'सागर' बंगले में रहने के लिए चले गए थे और उप मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान वहीं रहे। हालांकि, फडणवीस ने 5 दिसंबर 2024 को एक बार फिर मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पीएम मोदी आज मुंबई में करेंगे वेव्स का आगाज 90 देश और 10 हजार प्रतिनिधि होंगे शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।वेव्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाएगा। वेव्स 2025 की टैगलाइन है 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग

कंट्रीज'। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल होंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को मुंबई में 'विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन' (वेव्स) का उद्घाटन करने के साथ ही यहां जुटे एक हजार से अधिक क्रिएटर्स का उत्साह बढ़ाएंगे। वेव्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाएगा। वेव्स 2025 की टैगलाइन है 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज'। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल होंगे।प्रधानमंत्री 'क्रिएटोस्फियर' सत्र में दुनियाभर के युवा रचनाकारों से भी बातचीत करेंगे, जिन्होंने 31 अलग-अलग 'क्रिएट इन इंडिया' चुनौतियों में भाग लिया है। मोदी विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। क्रिएटोस्फीयर में वीआर, एनीमेशन, फिल्म, गेम, वीएफएक्स, कॉमिक्स, संगीत, इमर्सिव प्रदर्शन और मास्टरक्लास से संबंधित क्यूरेटेड जोन होंगे।द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल' शीर्षक से एक हाई-प्रोफाइल पैनल चर्चा से होगी, जिसमें हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती, रजनीकांत, मोहनलाल और चिरंजीवी शामिल होंगे। इस सत्र का संचालन अभिनेता अक्षय कुमार करेंगे।आयोजन का एक और खास आकर्षण-द न्यू मेनस्ट्रीम ब्रेकिंग बॉर्डर्स, बिल्डिंग लीजेंड्स' होगा, जिसमें फिल्म निर्माता एसएस राजामौली, अभिनेता अनिल कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल व संगीतकार एआर रहमान के साथ एक पैनल चर्चा होगी। इसका संचालन निर्माता-निर्देशक करण जौहर करेंगे।उद्घाटन दिवस की सांस्कृतिक संध्या में विश्व मोहन भट्ट, येल्ला वेंकटेश्वर राव और रोनू मजूमदार जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में शास्त्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। साथ ही टेटसेओ सिस्टर्स, झाला, श्रेया घोषाल, किंग एक्स एलन वॉकर की प्रस्तुतियां और अनुपम खेर का सिनेमाई अभिनय भी होगा।बॉलीवुड दिग्गज शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और करण जौहर के बीच बहुप्रतीक्षित चर्चा भी रखी गई है। इस चर्चा का शीर्षक है 'द जर्नीः फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर'। इसके माध्यम से दोनों कलाकारों के प्रेरणादायक कॅरिअर का उल्लेख होगा।शुक्रवार होने वाले ग्लोबल मीडिया डायलॉग में करीब 30 देशों के मंत्री भाग लेंगे। इसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री एस जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। ग्लोबल मीडिया डायलॉग में वेव्स घोषणापत्र भी जारी होने की उम्मीद है, जो मीडिया और मनोरंजन में सतत विकास, समावेशिता और वैश्विक सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगा।

मदर डेयरी के बाद अमूल ने भी दूध की कीमतें बढ़ाईं, आज से प्रभावी; देखें नई रेट लिस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।मदर डेयरी के बाद अब अमूल ने भी दूध की कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया है। नई दरें आज सुबह यानी एक मई से पूरे देश में

प्रभावी होंगी। अमूल ने दूध की कीमतें बढ़ाने का एलान किया है। अमूल के दुग्ध उत्पादों की नई दरें आज सुबह यानी एक मई से प्रभावी होंगी। अमूल ने बताया कि देशभर में दूध की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का फैसला लिया गया है। अमूल का मुख्यालय गुजरात के आणंद जिले में है। खेड़ा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड की तरफ से जारी बयान में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की सूचना जारी की गई। बयान में कहा गया, देशभर में अमूल दूध के प्रकारों के नए दाम पैक पर अंकित रहेंगे और वही बिक्री दर मानी जाएगी।बता दें कि एक दिन पहले मदर डेयरी ने गर्मी के मौसम में बढ़ती लागत को देखते हुए दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनी ने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि कीमतों में यह संशोधन 30 अप्रैल 2025 से पूरे बाजार में लागू होगा। मदर डेयरी अपने स्टोर, अन्य दुकानों और ई-कॉमर्स मंचों के जरिये दिल्ली-एनसीआर के बाजार में प्रतिदिन लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है। मदर डेयरी के अधिकारी ने कहा, खरीद लागत में हुई वृद्धि से निपटने के लिए कीमतों में संशोधन जरूरी हो गया है। पिछले कुछ महीनों में लागत चार-पांच रुपये प्रति लीटर बढ़ चुकी है। अधिकारी ने कहा कि खरीद कीमतों में उछाल मुख्य रूप से गर्मियों की शुरुआत होने के अलावा लू की स्थिति के कारण भी आई है।

राहुल गांधी बोले- आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को कीमत चुकानी होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात के बाद कहा, जम्मू-कश्मीर में हुई नृशंस वारदात में शामिल दहशतगर्दों को इस अपराध की कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा, सख्त कार्रवाई करते हुए आतंकियों को एहसास कराना होगा कि वे भारत के साथ ऐसा नहीं कर सकते। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान, आतंकवादियों और आतंकियों के आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग जोर पकड़ रही

है। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, दहशतगर्दों को पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर हमले की कीमत चुकानी होगी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात कर दिल्ली लौटे राहुल ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के परिजनों की मांग है कि सरकार मृतकों को शहीद का दर्जा दे।आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील करते हुए राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पष्ट और कड़ा संदेश देना चाहिए कि भारत ऐसी नापाक हरकत बर्दाश्त नहीं करेगा।

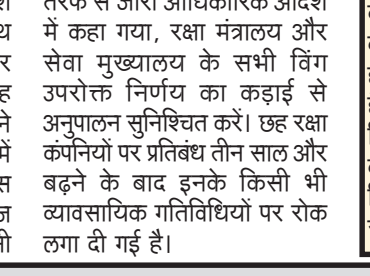

छह रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध तीन साल और बढ़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने छह कंपनियों को तीन साल और प्रतिबंधित रखने का फैसला लिया है। डिपार्टमेंट और डिफेंस प्रोडक्शन

(डीपीपी) की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक रक्षा मंत्रालय के साथ इन छह कंपनियों के लेन-देन पर प्रतिबंध जारी रहेगा।जिन छह कंपनियों पर प्रतिबंध जारी रखने का फैसला लिया गया है, उनमें सिंगापुर टेक्नोलॉजीज काइनेटिक्स लिमिटेड, इस्राइल मिलिट्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टीएस किसान एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, आरके मशीन टूल्स लिमिटेड, राइनमेटल एयर डिफेंस (ज़्यूरिख) और कॉर्पोरेशन डिफेंस (रूस) शामिल हैं।इन कंपनियों को करीब 13 साल पहले, 11 अप्रैल, 2012 से 10 साल के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया था। पहली बार 2022 में प्रतिबंधों को तीन और साल के लिए बढ़ा दिया गया था। वर्तमान प्रतिबंध विस्तार के बाद बैन 2028 तक बरकरार रहेगा। केंद्र सरकार की तरफ से जारी आधिकारिक आदेश में कहा गया, रक्षा मंत्रालय और सेवा मुख्यालय के सभी विंग उपरोक्त निर्णय का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। छह रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध तीन साल और बढ़ने के बाद इनके किसी भी व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता', हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी मिलने के बाद बोले शाह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के लिए पूर्वोत्तर का विकास हमेशा प्राथमिकता रही है और इस उद्देश्य के तहत मेघालय से असम तक 166.8 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, 2025-26 सीजन के लिए गन्ने का दाम 4.41झ्

बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल करने का फैसला लिया गया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत का विकास नरेंद्र मोदी सरकार की हमेशा से शीर्ष प्राथमिकता रही है। यह बयान उन्होंने उस समय दिया जब कुछ घंटे पहले केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्वोत्तर में 166.8 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मेघालय के मॉलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक 4-लेन वाले ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई। यह परियोजना हाइब्रिड मॉडल के तहत 22,864 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होगी।शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की हमेशा से प्राथमिकता रही है। मेघालय से असम तक के इस राष्ट्रीय राजमार्ग की मंजूरी के लिए पूर्वोत्तर के भाइयों-बहनों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह राजमार्ग 'भारत की अष्टलक्ष्मी' (यानी पूर्वोत्तर के आठ राज्यों) के लिए तेज विकास की नई राह खोलेगा और यात्रा को सुरक्षित व आसान बनाएगा। शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए धन्यवाद दिया। गृह मंत्री ने कहा कि 2025-26 के लिए गन्ने का दाम 4.41 फीसदी बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, जो गन्ना किसानों के लिए एक तोहफा है। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार का गन्ना किसानों को तोहफा! इस फैसले से करीब पांच करोड़ गन्ना किसानों और उनके परिवारों के साथ-साथ 5 लाख शुगर मिल कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा।शाह ने कहा कि सरकार गन्ना उत्पादकों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, और यह फैसला उनके जीवन को और बेहतर और आसान बनाएगा।

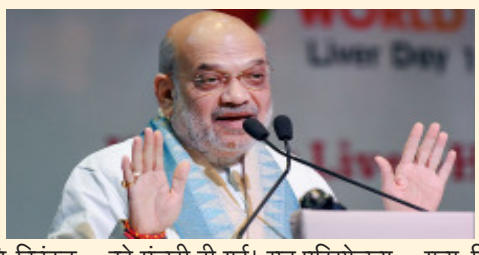

जाति की गणना के एलान के साथ ही जल्द जनगणना करा सकती है सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। सरकार अब जल्द जनगणना का अभ्यास भी शुरू कर सकती

है। कोरोना महामारी के कारण इसमें लगातार देरी हो रही थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्र सरकार ने बुधवार को जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार अब जल्द जनगणना कराने की भी योजना बना रही है। कोरोना महामारी के कारण प्रत्येक दस साल में होने वाली जनगणना को टाल दिया गया था। जिसके बाद से इसमें लगातार देरी हो रही थी। अब सबका ध्यान इस पर है कि यह जनगणना कब कराई जाएगी, क्योंकि इसमें पहले ही पांच साल की देरी हो चुकी है। इस घटनाक्रम से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि जनगणना 'जल्द' कराई जाएगी क्योंकि जाति गणना को लेकर फैसला न होने के कारण पूरी प्रक्रिया में देरी हो रही थी। जनगणना भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त की सीधी देखरेख में कराई जाएगी, जो गृह मंत्रालय (एमएचए) को रिपोर्ट करते हैं। गृह मंत्रालय ने अब तक यह नहीं बताया है कि यह बड़ा जनगणना अभ्यास कब शुरू किया जाएगा।जनगणना की घर सूची बनाने की प्रक्रिया और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने का काम 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2020 के बीच पूरे देश में होना था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया। जनगणना की प्रक्रिया अभी भी थमी हुई है और सरकार ने अब तक इसकी नई तारीखों की घोषणा नहीं की है।अगस्त 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि जनगणना उपयुक्त समय पर कराई जाएगी और इसका एलान तभी किया जाएगा, जब फैसला लिया जाएगा।हालांकि, 2025-26 के बजट में जनगणना के लिए सिर्फ 574.80 करोड़ रुपये ही रखे गए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि इतनी देरी के बाद भी यह काम इस साल शायद न हो पाए। हालांकि, सरकारी अधिकारी ने कहा कि बजट कोई बड़ी समस्या नहीं है और इसे बिना किसी रुकावट के आसानी से निपटाया जा सकता है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी में धूमधाम से मनाया गया श्रमिक दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी में श्रमिक दिवस (लेबर दिवस) के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने कर्मचारियों को उपहार और वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें देखकर उपस्थित सभी कर्मचारी भावविभोर हो गए और कई की आंखों से आंसू छलक पड़े। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों की कड़ी मेहनत और उनके योगदान को सम्मान देना था। प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि किसी भी संस्था या कार्यस्थल की नींव उसके श्रमिक ही होते हैं, और हमें सदैव उनका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रीति मिश्रा और टेरेसा सिंह ने किया। खेल प्रतियोगिताओं का सफल संचालन दीपक कुमार और मोहम्मद साबिर द्वारा किया गया। उपहार वितरण की जिम्मेदारी सुनील गुप्ता और अतिभा वर्मा ने निभाई इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्या सिस्टर ग्रेसी, शिक्षिका सिध्यानिका सिंह, पूनम सिंह, बिपिन गुप्ता, जॉनसन समेत समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सी.आई.यस.सी. बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सी.आई.यस.सी. बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था जिसमें सेंट जॉन कोएड् स्कूल के छात्रों ने 100ज़् सफलता दर्ज की। कक्षा 10 वीं परीक्षा में, स्कूल के छात्र शांतनु शुक्ला ने 96.20ज़् अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि कक्षा 12 वीं परीक्षा में, वर्तिका सिंह ने पहला स्थान हासिल किया और स्कूल में एक खुशी माहौल था। सभी छात्रों ने बोर्ड परीक्षा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया , जिसके लिए स्कूल के प्रिंसिपल ने सभी छात्रों, माता - पिता और शिक्षकों को बधाई दी और छात्रों को एक उज्ज्वल भविष्य की कामना की और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने के लिए कक्षा 12 वीं छात्रों को आशीर्वाद दिया।

अवसर सबको मिलते हैं सीएम योगी बोले- कुछ लोग बिखर जाते हैं, कुछ निखर जाते हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ । सीएम योगी ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि चुनौती नहीं है तो जीवन का सार बेकार हो जाता है। अवसर सबको मिलते हैं 'कुछ बिखर जाते हैं, कुछ निखर जाते हैं'। निखरते वही हैं जो चुनौती को स्वीकार करते हैं। पलायन करने वाले बिखरते हैं। निखरने वाले लोगों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे।इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में महाकुंभ के बाद पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है जिसमें उपराष्ट्रपति का आगमन है।

दावत से घर लौट रहे युवक की बेरहमी से पीटकर हत्या, धारदार हथियार से किया गया वार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के मोहरब गांव निवासी प्रतीक कुमार उर्फ मोनू (22) पुत्र भीम सरोज की पीटकर हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर धारदार हथियार से कई वार भी किए गए। सुबह रक्तरंजित शव मिलने पर सनसनी फैल गई। नवाबगंज थाना क्षेत्र के मोहरब गांव निवासी प्रतीक कुमार उर्फ मोनू (22) पुत्र भीम सरोज की पीटकर हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर धारदार हथियार से कई वार भी किए गए। सुबह रक्तरंजित शव मिलने पर सनसनी फैल गई। घटना रात्रि करीब दो बजे की बताई जा रही है। उसका शव रेलवे फाटक आनापुर के पास पाया गया।प्रतीक कुमार उर्फ मोनू किसी बरात में गया था। रात में घर लौटते वक्त रास्ते में यह घटना हुई है। उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। मौके पर नवाबगंज थाना प्रभारी नीरज कुमार कुशवाहा मय फोर्स के पहुंचे। घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का परिजनों को भरोसा दिया।

उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश है जगदीप धनखड़ बोले- सीएम योगी इसके सारथी हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभी मुझे भी राज्यपाल ने कहा कि आपको भी मुफ्त में किताब नहीं मिलेगी। मुझे कोई चीज मुफ्त में लेना नहीं पसंद है। मैंने बहुत पहले चुनौती से सात फेरे ले लिए। मुझे चुनौती के साथ रहने की आदत है। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे।इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं। आज उस प्रदेश का स्थापना दिवस है। आज श्रमिक दिवस भी है। इस दिन को उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन रखा गया। यह कितना सोच समझकर किया गया होगा। आनंदी बेन इतनी सरल नहीं हैं, जितनी दिखती हैं। उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है। सीएम योगी को युवा कहा जा सकता है। आज युवा की परिभाषा समझ नहीं आती है। यूपी आठ साल बेमिसाल के लायक है। यहां महाकुंभ सबसे बड़ा आयोजन हुआ। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा लोगों का आना और सफलतम आयोजन होना, सदियों तक याद रहेगा। सीएम उत्तम प्रदेश के सारथी हैं। आपका भी आकलन आसान नहीं है। आठ साल में यूपी को बिना टैक्स के ही 12 लाख करोड़ से 30 लाख करोड़ तक ले गए। यह हर अर्थशास्त्री के लिए अचंभा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यहां है।

नैनीऔद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रयागराज में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नैनी प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के सभी छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया और श्रमिकों के अधिकारों और उनके योगदान के बारे में चर्चा की। **कार्यक्रम की विशेषताएं** - श्रमिकों के अधिकारः कार्यक्रम में श्रमिकों के अधिकारों और उनके महत्व के बारे में चर्चा की गई। - श्रमिकों का योगदानः कार्यक्रम में श्रमिकों के योगदान और उनके महत्व के बारे में बताया गया। - एकता और सहयोगः कार्यक्रम में एकता और सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया। **उपस्थिति** कार्यक्रम में केंद्र के सभी छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया और श्रमिकों के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया। **निष्कर्ष** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने छात्रों और कर्मचारियों को श्रमिकों के अधिकारों और उनके योगदान के बारे में जागरूक किया। इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि छात्रों और कर्मचारियों को श्रमिकों के महत्व के बारे में और अधिक जानकारी मिल सके।

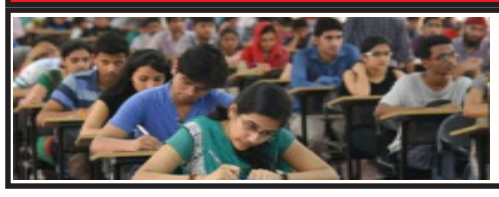

प्रदेश आस/पास

भारत

निःशुल्क दोना पत्तल मशीन प्राप्त करने के लिए करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार गौतम ने बताया है कि मोटराईज्ड दोना पत्तल मेकिंग मशीन का वित्तीय वर्ष 2025-26 में निःशुल्क वितरण किया जाना है, मशीनो के वितरण हेतु पराम्परागत कारीगरो, स्वरोजगार में रुचि रखने वाले कारीगरो को विभाग द्वारा पूर्व में गठित चयन समिति के माध्यम से चयन किया जायेगा। इस योजनान्तर्गत दोना पत्तल बनाने वाले कारीगर एवं उक्त उद्योगों में रुचि रखने वाले ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र 15 मई 2025 तक बोर्ड की वेबसाइट की आनलाईन सेवाओ के अन्तर्गत ''आनलाईन टूल्स-किट्स एवं आवंटन'' पर आनलाईन कर सकते है, अथवा जिला ग्रामोद्योग कार्यालय पुरानी तहसील रायबरेली में आकर जमा कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के मो0-7408410810 एवं आनन्द कुमार कनिष्ठ सहायक के मो0-8318013131 पर सम्पर्क कर सकते है।

स्थानीय रिफॉर्म क्लब मैदान रायबरेली में भगवान परशुराम जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। श्री परशुराम ब्रह्म चेतना परिषद रायबरेली के

तत्वाधान में संपन्न हुआ कार्यक्रम के सूत्रधार श्री राजेंद्र अवस्थी ने बताया कि वर्ष 2015 में,10 वर्ष पूर्व यह कार्यक्रम सुपरमार्केट स्थित पार्क में संपन्न किया जाता रहा विगत 0वर्षों से रिफॉर्म क्लब मैदान में संपन्न किया जा रहा है रायबरेली जनमानस का हर प्रबुद्ध वर्ग इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है इस वर्ष इस कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए अमेठी बाबूगंज सागरत् स्थिति पूज्य मौनी स्वामी उपस्थित हुए थे इसके अतिरिक्त जयपुर से महामंडलेश्वर अनीता, रायबरेली श्री देवी संपत मंडल आश्रम के परम अध्यक्ष स्वामी ज्योतिर्मयानंद मथुरा वृंदावन से भागवत कथा आचार्य आचार्य पंडित गोपाल शरण जी की उपस्थिति विशेष रूप से थी त् सर्वप्रथम शाम 5:00 से शाम 7:00 बजे तक संगीत में सुंदरकांड का पाठ से मनोज तिवारी मुंशीगंज के द्वारा संपन्न किया गया तदुपरांत सृष्टि पांडे के द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए तदोपरांत गोपाल शरण जी ने भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला मोनी महाराज ने अपने अध्यक्ष के भाषण में ब्राह्मणों पर कड़ा प्रहार करते हुए सचेत किया कि अपने सनातन धर्म की रक्षा के लिए चोटी रखे तथा यज्ञोपवीत जरूर धारण करें तथा चंदन का टीका अपने मस्तक पर अवश्य लगे चंदन का टीका लगाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है अपने ओजस्वी पूर्ण वक्तव्य में मौनी स्वामी ने भगवान परशुराम को केवल एक विशेष धर्म एवं वर्ग का ना हो करके सभी वर्ग एवं धर्म के लिए भगवान परशुराम पूजनीय है जो प्रमाणिक हैं इस अवसर पर अपार्जन समूह उपस्थित था, पूरा पंडाल भगवान परशुराम के नारों से गूंज रहा था मोनी महाराज को सर्वप्रथम फूलों की वर्षा करते हुए एवं मंटू शुक्ला तथा जितेंद्र मिश्रा ने शंख ध्वनि करते हुए मंच तक पहुंचा तब उपरांत दिव्यांश वाजपेई के द्वारा स्वस्थ वत्चन किया गया पूज्य महाराज श्री को सर्वप्रथम मालपान प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश तिवारी, जिला अध्यक्ष राजेश पांडे।

तस्वीरों में देखें- काशी में कन्यादान महोत्सव की झलकियां, धूमधाम से निकली 125 दूल्हों की बरात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी में कन्यादान महोत्सव में 125 जोड़ों ने सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लिया। विवाह

संपन्न होने के बाद लोगों ने सेल्फी लेकर इस पल को कैमरे में कैद किया। काशी में शंकुलधारा पोखरे पर आयोजित अक्षय कन्यादान महोत्सव में अलग-अलग 125 वेदियां बनाई गईं, जहां समाज के अलग-अलग लोगों ने पिता की भूमिका निभाते हुए कन्यादान किया। इससे पहले आरएसएस प्रमुख के साथ ही अलग-अलग समाज के प्रमुख लोगों के साथ बरात का स्वागत किया गया।द्वारकाधीश मंदिर से घोड़ा, गाड़ी और बग्घियों से 125 दूल्हों ने एक साथ प्रस्थान किया। परिवार के साथ समाज के लोग भी बैंड बाजा, आतिशबाजी के बीच नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। किरहिया चौराहा, चुंगी, गांधी चौक होते हुए दाह चौक के रास्ते बरात शंकुलधारा पहुंची। महोत्सव के मुख्य यजमान वीरेंद्र जायसवाल के आवास (पूजावा बाजार) के बाहर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने वर यात्रा का स्वागत किया। व्यापारियों ने फूल-माला से बरातियों का जगह-जगह स्वागत किया। जगह-जगह जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। बरात विवाह स्थल पर पहुंची तो, महिलाओं ने परछन किया। इसके बाद आचार्यों ने विवाह पूजन शुरू कराया। कार्यक्रम में नव विवाहित युगलों को भेंट स्वरूप साइकिल, सिलाई मशीन, वस्त्र, आभूषण, नकदी और मिष्ठान भेंट किया गया। सरसंघचालक मोहन भागवत सहित सभी विवाह वेदियों पर उपस्थित माता-पिता एवं आमंत्रित यजमान ने वैदिक विधि से कन्यादान किया। वर और कन्या के पैर पखारे। इसके बाद हवन कुंड में अग्नि प्रज्ज्वलित कर विधि पूर्वक हवन, अशमारोहन, लावा की आहुति दी गई। अग्नि के समक्ष वर वधु ने फेरे लिए और वैदिक विद्वानों ने सप्तपदी संपन्न कराया। सिंदूर दान के साथ ही विवाह संपन्न हुआ। समस्त वैदिक कार्य काशी विद्वत परिषद के महामंत्री रामनारायण द्विवेदी एवं अवध राम पांडेय ने कराया।

मां- बेटे को कुचलते हुए गड्ढे में पलटी बेकाबू कार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी में तेज रफ्तार के कहर से एक छात्र की जान चली गई। सड़क किनारे बस का इंतजार करते समय मां - बेटे को कुचलते हुए बेकाबू का गड्ढे में पलट गई। जिससे बच्चे की मौत

हो गई। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेख के शाहपुर गांव के पास हाईवे पर गुरुवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। स्कूल के लिए बच्चे को लेकर बस पकड़ने जा रही मां व बेटे को एक अनियंत्रित कार ने कुचल दिया। इसके बाद कार गड्ढे में पलट गई। घायल मां व बेटे को आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से नरपतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने घायल बेटे शिवम (12) को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल महिला को ट्रामा सेंटर भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो- रो कर बुरा हाल है।शाहपुर गांव निवासी अच्छे लाल राजभर की पत्नी रानी देवी (35) का पुत्र शिवम (12) को चौबेपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 6 में पढ़ता था। गुरुवार की सुबह उसे वाराणसी गोरखपुर हाईवे पर गांव के पास बस पकड़ाने गई थी। इंतजार करते समय एक अनियंत्रित कार तेजी से दोनों को कुचलते हुए कुछ दूरी पर जाकर एक गड्ढे में पलट गई।घटना के बाद आसपास के लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को नरपतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महिला को ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया। उधर, कार चालक अविनाश पुत्र मृत्युंजय, पत्नी मिना सिंह व पुत्र प्रखर भी घायल हो गए। उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कार को अपने कब्जे में ले लिया है।

काशी में लग रहा हाईटेक फायर सिस्टम, कूड़े को रखेगा गीला, अलार्म बताएगा कहां लगी आग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। फायर वाराणसी शहर से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण करसड़ा में हो रहा है। यहां पर

अक्सर गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं होती हैं। इसे देखते हुए यहां पर हाईटेक फायर सिस्टम लगाया जा रहा है ताकि आग की घटना पर काबू किया जा सके। फायर सेफ्टी को ध्यान में रखकर यहां लगातार चलने वाले स्प्रिंकलर लगेंगे। इसके अलावा फोम और अन्य उपकरण लगाए जाएंगे। फायर एलार्म भी होगा जिससे आग लगने की सूचना तत्काल मिल जाएगी। इसके अलावा कई जगहों पर आग को बढ़ने से रोकने के भी उपकरण लगाए जाएंगे। इन सबकी निगरानी सीसी कैमरे से की जाएगी। जिसे सिटी कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जोड़ा जाएगा। यहां बैठे अधिकारी भी ऑनलाइन मॉनीटरिंग कर सकेंगे। इसके लिए नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने मातहतों को निर्देश दिया है। जानकारों के अनुसार लंबे समय से पड़े कचरे को विशेष तकनीक से गुजारा जाता है। कचरे को जैव जीवों, प्राकृतिक तत्वों जैसे हवा और सूरज की रोशनी के साथ ट्रीट किया जाता है ताकि कचरे में बायोडिग्रेडबल तत्व समय के साथ टूट जाएं। इसे आसानी से निस्तारित किया जाता है। इससे कचरे का निस्तारण तीव्र गति से होता है।

पत्नी की तेरहवीं के खर्च को लेकर हुआ विवाद, बेटे ने लाठी से पीट- पीटकर ले ली पिता की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में पत्नी की तेरहवीं के खर्च को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि बेटे ने लाठी डंडे से पीटकर पिता की हत्या कर दी। आजमगढ़ जिले के अहरौला थाना क्षेत्र के सारैन गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पत्नी की तेरहवीं के खर्च को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हो गया। इस दौरान बेटे ने लाठी-डंडे से पीटकर पिता की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी बेटे से पूछताछ कर रही है।अहरौला थाना क्षेत्र के सारैन गांव निवासी राम लौट राजभर (68) की पत्नी की आठ दिन पूर्व मौत हो गई थी।

उसकी तेरवहीं में होने वाले खर्च को लेकर बुधवार की रात पिता-पुत्र में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि बेटे ने लाठी डंडे से पीट-पीटकर पिता की हत्या कर दी। मृतक के छोटे पुत्र ने देर रात में पुलिस को फोन पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। उधर, घटना के बाद से परिवार के सभी सदस्य मौके से फरार हो गए। तेरहवीं के खर्च को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हुआ था। बेटे ने लाठी-डंडे से पीटकर पिता की हत्या कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी के विरुद्ध मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में भाई-बहन की मौत के बाद मां ने भी तोड़ा दम- 10 वर्ष पहले पिता का भी उठ चुका है साया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। जहर खाने के बाद गंभीर अवस्था में पुलिस ने मां-बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की बुधवार की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत बृहस्पतिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज में हो गई। हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के कूचडेहरि गांव में मां के डांटने से नाराज मोहित कन्नौजिया (18) ने बुधवार को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बेटे को फंदे से लटका देख उसकी मां और फिर 14 वर्षीय बहन ने भी जहर (सल्फास) खा लिया था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां-बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत बृहस्पतिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज में हो गई। इस घटना के बाद अब परिवार में सिर्फ बुजूर्ग बाबा बचे हैं।मोहित के बाबा हरिलाल (72) ने बताया कि वो बुधवार को पशु चराने गए थे। लौटे तो दरवाजे पर भीड़ देखकर सहम गए। घटना सुनते ही जमीन पर बैठ गए। वह रोते हुए कह रहे थे कि पता होता तो मैं कभी नहीं जाता। सुप्रिया और मोहित ही मेरे लिए सहारा थे। दिन भर सुप्रिया मेरी सेवा करती थी। बेटे की मौत 10 साल पहले हो चुकी है। पहले बेटे को कंधा दिया, अब पोते-पोती कंधा देना पड़ेगा। यह पता होता तो पहले ही अपना गला घोंट लेता। मेरी तो समझ में ही नहीं आ रहा है कि अचानक एक ही दिन में क्या हो गया। 10 दिन पहले ही अहमदाबाद से मोहित घर आया था।

ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत, शव कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी जिले में गुरुवार को एक अधेड़ की ट्रेन से

कटकर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पहचान कराने में जुट गई। वाराणसी जिले में लोहता थानाक्षेत्र के गोपालपुर गांव के सामने गुरुवार की सुबह एक अधेड़ की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। हालांकि छानबीन के दौरान मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी।कार्यवाहक थाना प्रभारी अमित यादव ने बताया की गोपालपुर गांव के सामने गुरुवार की सुबह एक 50 वर्षीय अधेड़ की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

बालू लादकर खड़े ट्रेलर से भिड़ी बस, एक महिला की मौत- पांच घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। दोहरीघाट डिपो की रोडवेज बस प्रयागराज से सवारी भरकर गोरखपुर आ रही थी। गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास नौसढ़ चौकी क्षेत्र के बाघागाड़ा के पास पहुंची थी। बताया जा रहा है कि तभी बस चालक को अचानक झपकी आ गई। झपकी से चालक बस का नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े बालू लदे ट्रेलर से टकरा गया। गीडा थाना क्षेत्र के बाघागाड़ा इलाके में बालू लादकर खड़ी ट्रेलर के पीछे से एक रोडवेज की बस टकरा गई। टक्कर इतना तेज थी कि मौके पर बस में सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नौसढ़ चौकी इंचार्ज ने घायलों को जिला अस्पताल भेजवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।दोहरीघाट डिपो की रोडवेज बस प्रयागराज से सवारी भरकर गोरखपुर आ रही थी। गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास नौसढ़ चौकी क्षेत्र के बाघागाड़ा के पास पहुंची थी। बताया जा रहा है कि तभी बस चालक को अचानक झपकी आ गई। झपकी से चालक बस का नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े बालू लदे ट्रेलर से टकरा गया।टक्कर की आवाज सुनकर अगल बगल के गांवों से लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालने में जुट गए। बस में सवार रिंकी सिंह(45) पत्नी अरुण सिंह, निवासी मुंडेरा धूमनगंज प्रयागराज की मौत हो गई। साथ ही महिला के पुत्र आदर्श सिंह (18) और नितेश सहित अन्य तीन अन्य घायल हो गए दुर्घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां दो घायलों को हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

देर रात तीन लुटेरों से हुई पुलिस की मुठभेड़, एक घायल- दो गिरफ्तार; लूट का सामान बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि ये लुटेरे वांछित चल रहे थे। कैंट थाने में लूट के एक मामले में फरार थे। इनके पास

से अवैध असलहे और लूट के सामान भी बरामद किया गया है। गोरखपुर कैंट थानाक्षेत्र के मोहद्दीपुर में बुधवार की देर रात बदमाशों की पुलिस संग मुठभेड़ हो गई। इसमें महराजगंज के पनियरा मुजरी निवासी शंभू प्रसाद के पैर में गोली लगने से वो घायल हो गया। जबकि चिलुआताल के शेखर और धर्मशाला निवासी हुसैन मौके से भागने लगे। इस दौरान पुलिस ने घेरकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।दरअसल, तीनों देर रात एक ऑटो रिक्शा से मोहद्दीपुर होते हुए शहर में प्रवेश कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि तीनों शातिर लुटेरे किसी अपराध को अंजाम देने शहर में आ रहे हैं। इसी सूचना पर कैंट थानाध्यक्ष संजय सिंह ने मोहद्दीपुर में गस्त बढ़ा दी। इस दौरान एक ऑटो रिक्शे पर कुछ संदिग्ध आते दिखे तो ऑटो को रोकने का प्रयास किया।इस दौरान तीनों अपराधी ऑटो से कूदकर हाइडिल कॉलेनी की तरफ भागने लगे। इस दौरान फायरिंग भी करने लगे। जवाबी फायरिं में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि दो को पुलिस ने घेरकर मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि ये लुटेरे वांछित चल रहे थे। कैंट थाने में लूट के एक मामले में फरार थे। इनके पास से अवैध असलहे और लूट के सामान भी बरामद किए गए हैं।

दुबई से लौटकर आया युवक...बना मंकी पॉक्स का मरीज, मेडिकल कॉलेज में भर्ती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। देवरिया के बनकटा थाना क्षेत्र के पचरुखिया गांव निवासी ज्ञान रतन पुत्र शुभ नारायण (50) दुबई में नौकरी करता है। बीते 26 अप्रैल को वह दुबई से घर लौटा था। तबीयत खराब होने पर परिजनों ने बुधवार की देर शाम को इलाज के लिए उसे देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उत्तर प्रदेश के देवरिया मेडिकल कॉलेज में बुधवार की देर शाम को एक मंकीपॉक्स का मरीज पाया गया। पीड़ित व्यक्ति हाल ही में दुबई से लौटा था। तबीयत खराब होने पर वह मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती हुआ था, जहां जांच पड़ताल के बाद चिकित्सकों ने उसे मंकीपॉक्स बीमारी से पीड़ित होने की संभावना जताई। संभावित मरीज को देर रात गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एहतियात के तौर पर उसके घर वालों को भी आइसोलेट कर दिया गया है और उनकी निगरानी की जा रही है। सीएमओ डॉक्टर अनिल कुमार ने इसकी पुष्टि की है।बनकटा थाना क्षेत्र के पचरुखिया गांव निवासी ज्ञान रतन पुत्र शुभ नारायण (50) दुबई में नौकरी करता है। बीते 26 अप्रैल को वह दुबई से घर लौटा था। तबीयत खराब होने पर परिजनों ने बुधवार की देर शाम को इलाज के लिए उसे देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां जांच पड़ताल के बाद चिकित्सकों ने उसे मंकी पाक्स बीमारी से पीड़ित होने की संभावना जताई।

थाना प्रभारी के विदाई समारोह में बजा बैंड-बाजा, वीडियो वायरल- प्रभार हटने पर अब चर्चाएं शुरू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। देवरिया के मदनपुर थाने से विदाई के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें तत्कालीन थानाध्यक्ष विनोद सिंह फूल माला लादे हुए हैं और विदाई में बैंड-बाजा बजते हुए वो पैदल लोगों से घिरे हुए चल रहे हैं। इस वायरल वीडियो और बुधवार की रात हुए तबादलों को एक साथ लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। एक सप्ताह पूर्व मदनपुर थाने से स्थानांतरित होकर गौरी बाजार थाने के प्रभारी बने निरीक्षक विनोद कुमार सिंह का देर स्थानांतरण अपराध शाखा में हो गया। थानाध्यक्ष के स्थानांतरण को लेकर कयासों का बाजार गर्म है। कुछ लोगों का मानना है कि मदनपुर थाने से स्थानांतरण के बाद विदाई समारोह का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसको लेकर उनको हटाया गया।जबकि गौरी बाजार में थाना गेट सहित रामपुर चौराहे पर बैरिकेटिंग भी चर्चा का विषय रहा है। उधर एसपी स्तर से कुछ और थाना प्रभारियों व एसएसआई को इधर से उधर किया गया है। इसमें एसओ सुरौली देवेंद्र कुमार सिंह को भाटपाररानी, मदनपुर के एसएसआई हवलदार राम को एसओ सुरौली, एसओ भाटपाररानी नंदा प्रसाद को थानाध्यक्ष गौरीबाजार बनाया गया है।

मिर्जापुर, सोनभद्र

ब्लॉक प्रमुख रंजना चौधरी का धमकी भरा वीडियो वायरल, एससी-एसटी मुकदमे में फंसाने की दी चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र के दुद्धी ब्लॉक की प्रमुख रंजना चौधरी का एक

वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वे एक युवक को धमकी देती नजर आ रही हैं: मेरे पास एससी-एसटी का बहुत बड़ा हथियार है, जब चाहूं जेल भेज सकती हूं, जमानत नहीं होगी। विवाद पोलवा गांव की जमीन को लेकर है, जिसमें गांव के प्रधान और ब्लॉक प्रमुख आमने-सामने हैं। वीडियो में ब्लॉक प्रमुख प्रधान के बेटे को कहती हैं: ठतुम्हारा बाप शेर के मुंह में पंजा डाल रहा है, समझा लो। वीडियो में लड़के को अभद्र भाषा में दी चेतावनी मामला विंढमगंज थाना क्षेत्र का है, पुलिस जांच में जुटी है। प्रधान और ब्लाक प्रमुख दोनों भाजपा नेता है।

शहडोल जिला इकाई द्वारा कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शहडोल । मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ शहडोल जिला इकाई द्वारा प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं जिला अध्यक्ष साथी गजेंद्र सिंह परिहार जिला इकाई गजेंद्र सिंह परिहार महासचिव शहडोल जिला इकाई अनुराग त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष दीपक सिंह जिला उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सिद्धीक अंसारी, जिला उपाध्यक्ष अनिल

के नेतृत्व में 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर प्रदेश संगठन प्रभारी साथी मो.अली,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य साथी दिनेश अग्रवाल,सम्भागीय उपाध्यक्ष साथी अखिलेश पाण्डे, सम्भागीय महासचिव साथी वृष्णा तिवारी,जिला अध्यक्ष साथी गजेंद्र सिंह परिहार, उपाध्यक्ष साथी सिद्दीक अंसारी,साथी दीपक सिंह,महासचिव साथी अनुराग त्रिपाठी। जिला अध्यक्ष शहडोल पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष गोहपारू सुमित सिंह चंदेल,ब्लॉक अध्यक्ष जयसिंहनगर राकेश गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष ब्यौहारी अशोक तिवारी, धनपुरी नगर अध्यक्ष शकील खान शहडोल नगर अध्यक्ष निशांत सिंह, साथी दिलीप सिंह मरावी, राजेंद्र शर्मा, साथी इस्लाम खान, साथी कोमल प्रसाद कुशवाहा, आईटी सेल संयोजक रिजवान खान, साथी कृष्णा मिश्रा, साथी अशोक तिवारी सचिव शहडोल, साथी समीर खान सोहागपुर, कोषाध्यक्ष शहडोल जिला इकाई विश्वास हलवाई,सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

जन आधिकार पार्टी की संगठनात्मक समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।जन अधिकार पार्टी जनपद सोनभद्र की संगठनात्मक समीक्षा बैठक सिचाई डाक बंगला रावर्ट्सगंज

से सम्पन्न हुई । समीक्षक के रूप में आये मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव एवं मण्डल प्रभारी मीरजापुर कन्हैया सिंह कुशवाहा ने जिला कमेटी सोनभद्र एवं विधान सभा इकाई घोरावल, रावर्ट्सगंज, ओबरा एवं दुद्धी के संगठन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए पंचायत चुनाव की तैयारी में मजबूती से लग जाने को कहा । विशिष्ठ अतिथि मीरजापुर मण्डल अध्यक्ष रामचन्द्र त्यागी ने कहा कि जिस संबिधान की बदौलत बहुजन समाज सुरक्षित है एवं अपने हक अधिकारों को प्राप्त करता है उस सम्बिधान को आजकी सरकार समाप्त कर ऊच नीच विचार धारा वाला संविधान लागू कर बहुजन समाज को लाचार गुलाम बनाना चाहती जिसे जन अधिकार पार्टी किसी भी दशा में बरदास्त नही करेगी ।

जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जिला कारागार गुरमा सोनभद्र का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सुरक्षा व्यवस्था एवं बंदियों

को दी जा रही सुविधाओं का लिया गया जायजा। जिलाधिकारी सोनभद्र बी0एन0 सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा आज दिनांक 30.04.2025 को जिला कारागार गुरमा सोनभद्र का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर बैरक, मेस, अस्पताल आदि का निरीक्षण करते हुए सघन चेंकिग व तलाशी करायी गयी तथा सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने हेतु जेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान कारागार की बैरकों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था दिन एवं रात्रि शौचालय, स्नान व्यवस्था आदि का अवलोकन किया गया और जेलर को निर्देशित किया गया कि बन्दियों हेतु बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। इस मौके पर जेल अधीक्षक सोनभद्र, अपर जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दो दोषियों को 20-20 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दो दोषियों को 20-20 वर्ष

की कठोर कैद एवं 62 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक-एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रायपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 31 जनवरी 2022 को रायपुर थाने में दी तहरीर मे अवगत कराया था कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिक बेटी को 30 जनवरी 2022 को दोपहर 2 बजे सुशीला पत्नी राम परिखा निवासी सहपुरवा (पड़री), थाना रायपुर जिला सोनभद्र ने साजिश के तहत खेत पर बने अपने मकान में भेज दिया। जहां पर पहले से ही मकान में मौजूद रामेश्वर यादव पुत्र रामजग यादव निवासी ग्राम पड़री, थाना रायपुर, जिला सोनभद्र ने मुंह बंद करके जबरन बेटी के साथ दुष्कर्म किया। उस समय घर पर पति-पत्नी नहीं थे। शाम करीब 6 बजे घर आया तो बेटी ने सारी बात बताया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 10 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दुष्कर्म के दोषी रामेश्वर यादव को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 21 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं दुष्कर्म में सहयोग करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी सुशीला को 20 वर्ष की कठोर कैद व 41 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। जबकि अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

ब्रह्मकुल के लोगों को अपना अस्तित्व, अपनी चैतन्यता जगाए रखनी होगी:डॉ महेंद्र पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। श्रीरामपुरी (तरावां) में अक्षय तृतीया के मौके पर बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार, ऋचाओं की गूंज के बीच भगवान परशुराम के विग्रह के स्थापना के साथ ही, उसका अनावरण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र पांडेय ने कहा कि श्रीरामपुरी ने हमेशा से राष्ट्रवाद की सोच का साथ दिया है। समाजिक-राजनीतिक दोनों गतिविधियों में यहां की बड़ी भूमिका रही है। स्थापित किए गए भगवान परशुराम का विग्रह ने भी यहां की धरती से बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना है तो उसके लिए भगवान परशुराम के आदर्शों का अनुसरण करना होगा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए, कहा कि पीएम मोदी ने भी उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए, आतंकवाद के सर्वनाश का संकल्प ले रखा है। जल्द ही बड़ा परिणाम देखने को मिलेगा। डॉ पांडेय ने 1947 में हुए दुखद विभाजन और त्रासदी का जिक्र करते हुए कहा कि, देश में ऐसी सियासी विचारधारा का वर्चस्व था जिसे जालीदार टोपी पसंद थी लेकिन पिछले 11 वर्ष से सनातन युग का वर्चस्व बना हुआ है। कहा कि उन्होंने यहां आकर भगवान परशुराम से कामना की है कि जिस तरह से उन्होंने आततइयों का खात्मा किया, उसी तरह वह, पीएम मोदी को आतंकवाद के समूल खात्मे की शक्ति दें। उन्होंने आर्यन एकेडमी के बच्चों की ओर से छत्रपति शिवाजी, भारत माता और भगवान शिव की वेशभूषा में सोनभद्र की विशेषता को रेखांकित करने वाली गीत पर नृत्य के प्रस्तुति की सराहना की।राज्य के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि भगवान

परशुराम मातृ-पितृ दोनों की भक्ति के अनुपम उदाहरण रहे हैं। राष्ट्र की रक्षा के लिए शस्त्र-शास्त्र दोनों की जरूरत है। यह मसला हमेशा से चर्चा का विषय रहा है। अगर शास्त्र के साथ मिलने वाली शस्त्र की शिक्षा को नहीं भूले होते तो हमारा देश कभी गुलाम नहीं होता। पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए, शास्त्र के साथ शस्त्र के जवाब का ही परिणाम है कि पहलगाम की घटना के बाद, पाकिस्तान की रूह कांप रही है। जल्द ही भारत बड़ा जवाब देगा। काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता संस्थान के पूर्व निदेशक तथा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा चेन्नई के कुलपति प्रोफेसर राममोहन पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम के विचारों का प्रत्येक युग में योगदान रहा है। ब्राहमण समाज का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि यह समाज सदैव अधर्म और अन्याय का प्रतिकार करता आया है। उन्होंने तरावां के कार्यक्रम को बड़ी शुरूआत बताते हुए कहा कि, अब उनकी ओर से जिले में 10 जगहों पर भगवान परशुराम का विग्रह स्थापित कराया जाएगा। पूर्व विधायक ललितेश पति त्रिपाठी ने कहा कि भगवान परशुराम के विचारों और उनके आदशों की खासी अनदेखी की गई है। कहा कि तरावां से जिस कार्यक्रम की शुरूआत की गई, उसकी शुरूआत काफी पहले जिला मुख्यालय से हो जानी चाहिए थी। उन्होंने पूर्व में परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित रहने और बाद में इसे बंद कर दिए जाने पर एतराज जताते हुए, कहा कि ब्राह्मण समाज के लोगों को इस अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी। पूर्व विधायक रमेश दूबे ने कहा कि सनातन संस्कृति और परंपरा को बचाए रखने के लिए प्रत्येक ब्राह्मण को प्रयास करना होगा। लव जिहाद की शिकार होती बेटियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए जरूरी है कि सनातन की मर्यादा और परंपरा की सीख बेटियों को देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समाज से एकजुटता की अपील करते हुए कहा कि ब्रह्मकुल के लोगों को अपना अस्तित्व, अपनी चैतन्यता जगाए रखनी होगी। एमएलसी विनीत सिंह ने कहा कि भगवान परशुराम को सर्व समाज से दूर रखने के लिए बड़ा षडयंत्र रचा गया है। उन्होंने धरती को क्षत्रिय विहीन किया, यह बात गलत तरीके से प्रचारित की जा रही है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम सर्व समाज के हैं। उन्होंने सदैव अन्याय, अधर्म और निरकुंशता के खिलाफ चेतना जगाए रखी। उनके आदर्श और दिखाए गए मार्गों का अनुसरण सभी के लिए जरूरी है। बीएचयू के पूर्व रजिस्ट्रार मारकंडेय पाठक ने कहा कि भगवान विष्णु के छठे अंश के रूप में भगवान परशुराम का अवतार निरंकुश राजसत्ता पर अंकुश के लिए हुआ था। संचालन भोलानाथ मिश्रा ने किया।

प्रदेश के बिगड़े कानून व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर पहुंच कर सफाईयों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र को सोपा गया जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया एवं संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जनता के उत्पीड़न हत्या लूट महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता की घटनाएं आम हो गई है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है । अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं । उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह विफल हो गई है। बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद राज्यसभा रामजी लाल सुमन को करणी सेवा द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है तथा उनके आवास पर हमला भी किया गया। पांच दिन पुर्व दिनांक 27 अप्रैल को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ़ में उनके काफिले पर करनी सेना ने हमला किया, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए और लोगों को गंभीर चोटे भी आई। इस घटना के बाद भी अराजक तत्वों पर शासन प्रशासन में कोई कार्रवाई नहीं किया, जिससे यह स्पष्ट है कि उन्हें सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है । इससे उत्तर प्रदेश सरकार

की दलित विरोधी मानसिकता उजागर होती है । भाजपा सरकार में पीडीए का सोषण चरम सीमा पर है आप भारतीय संविधान की संरक्षक है, ऐसे में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में बिहार कानून व्यवस्था, रामजी लाल सुमन के साथ अलोकतांत्रिक व्यवहार सहित प्रदेश में लगातार हो रहे संविधान विरोधी कृत्यों को आपके संज्ञान में ला रही है, जिससे आपके द्वारा संविधान एवं लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में ठोस निर्णय हो । यदि पीडीए समाज का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं रमेश चंद्र दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पीडीए का नारा देकर समाज के सभी शोषित उत्पीडित वर्गों के सम्मान एवं संविधान प्रदत्त अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं । इसको उत्तर प्रदेश में प्रभुत्ववादी एवं वर्चस्ववादी समूह बर्दाश्त नहीं कर पा रही है और संविधान विरोधी मानसिकता का खुलेआम प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों की लोकतंत्र और बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। इसलिए इन समूहों द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में कोई आस्था नहीं है। इसलिए इन समूहों द्वारा पीडीए समाज में उत्पीड़न की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है । भाजपा सरकार में कोई वर्ग सुरक्षित नहीं है भाजपा सरकार केवल पूंजी पतियों की सरकार है इसे गरीबों से कोई लेना-देना नहीं है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी पुर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव राम भरोसे सिंह पटेल अनिल प्रधान विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव विजय शंकर जायसवाल परमेश्वर यादव जिला उपाध्यक्ष वेदमानी शुक्ला अशोक पटेल डॉ लोकपति सिंह रामप्यारे सिंह पटेल रमेश सिंह यादव त्रिपुरारी गौड़ रामाशंकर यादव रमेश कुमार वर्मा सुनील गौड़ महिला सभा अध्यक्ष गीता गौर बिंदु यादव सरदार पारब्रह्म सिंह बबलू धागर ज्यूतेश गौतम पवन पटेल सत्यम पांडे कृपा शंकर चौहान प्रदीप कनौजिया रमजान अली अखिलेश यादव संजय यादव अजय कुमार निषाद शिवनारायण चौहान हीरालाल यादव कामरान खान सनी पटेल राम सजीवन अहीर विमलेश पटेल रामेश्वर भाई पटेल राजेश विश्वकर्मा लालव्रत यादव बाबू हाशमी लाल बहादुर पाल जगत पटेल अमरजीत यादव पीयूष यादव सूरज मिश्रा अमरेश यादव दशरथ विष्णु कुशवाहा कामता यादव राजमणि लवकुश कुमार साहनी बबून्दर शशि प्रकाश सुशील राय यासीन गुलाम यासीन दीपक केसरी राजेश कुमार विवेक सिंह राजेंद्र यादव कमलेश चौबे कैलाश मुन्नी देवी सुनील पवार भुवनेश्वर देवगन नंदलालपुर प्रदीप यादव अजय सूरज के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

जानबुझकर बाबा साहब का अपमान कर रहे अखिलेश:डॉ महेंद्र नाथ पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की फोटो में बाबा साहब के चेहरे के साथ आधा अपना चेहरा लगाकर बाबा साहब के बराबर अपने को साबित करने का जो कुकृत्य किया है उसके विरुद्ध नगर के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भवन में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे एवं आयुष राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु सदर विधायक भूपेश चौबे व एमएलसी विनीत सिंह जी ने भाग लिया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केन्द्रिय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि यह सपा की दुषित मानसिकता का प्रतीक है इसे सपा के दूषित मानसिकता बताते हुए कहा कि बाबा साहब का इस प्रकार अपमान देश की जनता कभी स्वीकार नही करेगी उन्होने याद दिलाया की सपा सरकार मे पहले भी अंबेडकर से जुडी संस्थाओं और जिलों के नाम बदले गये थे इस कृत्य के लिए सपा मुखिया से माफी मांगने की मांग की बाबा साहब के चेहरे के साथ अपना चेहरा जोड़ने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव दलित समाज का सम्मान नही सिर्फ वोट बैंक देख रहे है। बाबा साहब

भीमराव अंबेडकर ने सदैव शिक्षा, समानता, संविधान मूल्यो के लिए संघर्ष किया और अखिलेश यादव ने उनके नाम का राजनैतिक सौदा किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपनी तस्वीर को डॉ0 अंबेडकर के बराबर लगाना न सिर्फ अहंकार है बल्कि दलित समाज की भावनाओं के साथ किया गया एक निंदनीय खिलवाड़ है। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु जी ने कहा कि कदम कदम पर बाबा साहब और दलितो का अपमान करने वाले अखिलेश यादव अब बाबा साहब अंबेडकर बनने चले है अखिलेश यादव आप बाबा साहब के चरणो की धुल भी नही है बाबा साहब भारत के संविधान शिल्पी है विश्व के सबसे बडे विद्वान रहे है आपने बाबा साहब के आधे चित्र के साथ अपना आधा चित्र लगाकर उनका अपमान व महापाप किया है। तुरन्त माफी मांगो आपका पिडीए आपके साथ ही बेनकाब हो चुका है अब आप दलितो को भ्रमित नही कर सकते है। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी ने कहा बाबा साहब कि आधी तस्वीर काटकर उसपर अपनी आधी तस्वीर लगाकर वे शायद दलित समाज को यह बताना चाहते है कि हम बाबा साहब के बराबर है, लेकिन उनके इस कृत्य से दलित समाज न सिर्फ आहत है बल्कि इसे अखिलेश यादव द्वारा जानबुझकर बाबा साहब का अपमान करने का कुत्सित प्रयास किया गया। जिस व्यक्ति ने समाज के हर व्यक्ति हर वर्ग को संविधान के माध्यम से सम्मान दिया जिनकी सोच पर भाजपा काम कर रही है वह बाबा साहब का अपमान भारतीय जनता पार्टी कत्तई बर्दाश्त नही करेगी।सदर विधायक भूपेश चौबे, एमएलसी विनीत सिंह, नगर पालिका चेयरमैन रुबी प्रसाद, पूर्व उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग रामनरेश पासवान ने भी धरना प्रदर्शन को संबोधित किया।धरना प्रदर्शन मे मुख्यरुप से पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, अजीत चौबे, धर्मवीर तिवारी, कृष्णमुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, अनूप तिवारी, विनय श्रीवास्तव, कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव, चांदप्रकाश जैन, राकेश पाण्डेय, नार सिंह पटेल, कुसुम शर्मा, पुष्पा सिंह, गुड़िया त्रिपाठी, दिलिप पाण्डेय, अनुपम तिवारी, धर्मवीर त्यागी, अशोक भारती, दिनेश भारती, आलोक रावत, संतोष भारती, अनुराग बंटी, अनिता भारती सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनभद्र 1 मई स्थानीय ज्योति इंटरनेशनल होटल में एक राष्ट्र एक चुनाव पर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। व्यापारी समागम का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, भूतपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, एवं व्यापारी नेताओं ने अपना-अपना विचार व्यक्त किया सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश

उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर चर्चा करते हुए 6 बिंदुओं पर लोगों का ध्यान आकर्षित कराया उन्होंने कहा की अलग-अलग समय चुनाव कराने से सरकार को बहुत ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है यदि लोकसभा एवं राज्य विधानसभा चुनाव दोनों साथ कराया जाए तो चुनाव खर्च काफी कम हो जाएगा उन्होंने आगे कहा कि बार-बार चुनाव कराए जाने से पुलिस ,प्रशासन ,शिक्षक, एवं दूसरे कर्मचारियों की ड्यूटी लगती है जिससे जनहित एवं अन्य सरकारी कार्यक्रम लंबित हो जाते हैं यदि एक साथ चुनाव कराया जाए तो समय एवं संसाधनों की बचत होगी श्री शर्मा ने कहा चुनाव के समय आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है जिससे कई जनहित की योजनाएं शुरू नहीं हो पाती हैं एक साथ चुनाव होने से बार-बार ड्यूटी नहीं लगेगी कर्मचारी अपने मुख्य काम पर ध्यान देंगे जिससे विकास कार्यक्रमों में रुकावट नहीं होगी उन्होंने व्यापारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि बार-बार चुनाव होने से जनता को बार-बार और रैलियां , प्रचारों ,एवं वोटिंग की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है इससे लोगों का समय व ध्यान भी बंटता है एक बार में चुनाव होने से समस्या नहीं होगी जिससे जनता का समय वह ध्यान बचेगा उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ सकती है मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है और चुनाव का असर जनजीवन पर कम पड़ेगा जिससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी श्री शर्मा ने यह भी कहा कि एक साथ चुनाव कराने से सरकार को तमाम जटिलताओं का भी सामना करना पड़ेगा उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने हेतु संविधान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम एवं चुनाव से जुड़े कई कानून में बदलाव करना होगा जो एक लंबी एवं कठिन प्रक्रिया है संविधान के अनुच्छेद 83(2) एवं 172 (1) में संशोधन करना होगा जो लोकसभा एवं विधानसभा का कार्यकाल निर्धारित करते हैं उन्होंने आगे कहा कि हर राज्य में सरकार की अवधि अलग-अलग होती है सभी राज्यों को एक ही समय पर चुनाव कराने के लिए उनकी सरकारों को समय से पहले भंग करना पड़ेगा या उनका कार्यकाल बढ़ाना पड़ेगा इससे संघीय ढांचे एवं राज्यों की स्वतंत्रता पर भी असर पड़ सकता है जिला अध्यक्ष ने कहा कि देश की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के अपने-अपने हित है कुछ पार्टियों इस विचार पर समर्थन करती हैं जबकि कई इसका विरोध भी करती हैं सभी दलों की सहमति के बगैर इसे लागू करना मुश्किल है। राजनीतिक परिदृश्य देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि राजनीतिक सहमति का अभाव है इसको लागू करने में कुछ व्यवहारिक दिक्कतें भी आएंगी लाखों ई. बी. एम.एव बी बी पैड मशीनों की जरूरत होगी भारी मात्रा में सुरक्षा बलों एवं कर्मचारियों की तैनाती करनी होगी मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों भी चुनौती बन सकती हैं उन्होंने कहा कि अगर किसी विधायक या सांसद की मृत्यु हो जाती है ऐसे में एक साथ चुनाव की अवधारणा बार-बार टूट सकती है जिसके कारण उपचुनाव की आवश्यकता होगी श्री शर्मा ने कहा एक साथ चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दे हावी हो सकते हैं और राज्य स्तरीय एवं स्थानीय मुद्दों की अनदेखी हो सकती है।

स्पोर्ट्स

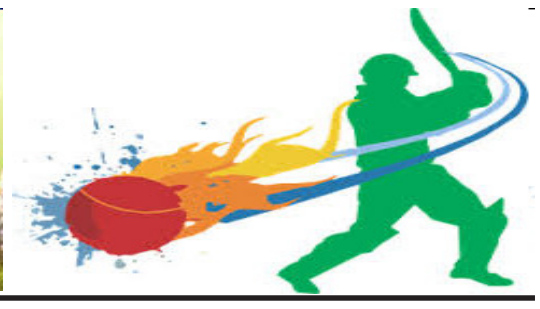

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर; पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार-चार मैच हारे थे। युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली। 10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और -1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है।

चेपॉक में चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली। 10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और -1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है। चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार-चार मैच हारे थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। खलील अहमद ने आर्या को अपना शिकार बनाया, जो 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर कप्तान श्रेयस अय्यर आए और उन्होंने प्रभसिमरन (54) के साथ 50 गेंदों में 72 रन जोड़े। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम की जीत सुनिश्चित कर पवेलियन लौटे। अय्यर ने 41 गेंदों में 72 रन बनाए जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा शशांक सिंह ने 23, नेहल वढेरा ने पांच और सूर्यांश शेडगे ने एक रन बनाया। वहीं, जोश इंग्लिस और मार्को यानसेन क्रमशः छह और चार रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले चेन्नई की शुरुआत खराब हुई थी। शेख रशीद और आयुष म्हात्रे क्रमशः 11 और सात रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सैम करन ने मोर्चा संभाला। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा किसी का साथ नहीं मिला। दोनों ने 78 रनों की साझेदारी निभाई। करन ने सर्वाधिक 88 रनों की पारी खेली जबकि ब्रेविस ने 32 रन बनाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने 17, शिवम दुबे ने छह, महेंद्र सिंह धोनी ने 11 और दीपक हुड्डा ने दो रन बनाए। वहीं, अंशुल और नूर अपना खाता भी नहीं खोल पाए जबकि खलील खाता खोले बगैर नाबाद रहे। इस मैच में पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल ने चार विकेट हासिल किए। वहीं, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन को दो-दो सफलताएं मिलीं। अजमतुल्लाह उमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

वो मुझे टीम से निकालना चाहता है', पुजारा ने किस पर साधा था निशाना पत्नी ने खोले राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चेतेश्वर की पत्नी पूजा ने अपनी किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर वाइफ' में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पुजारा को टीम से बाहर करने की कोशिशें हो रही थीं। भारतीय क्रिकेट की 'दीवार' कहे जाने वाले चेतेश्वर पुजारा भले ही भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं लेकिन वह इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस बार उनके चर्चाओं में आने का कारण उनकी पत्नी पूजा पाबरी हैं, जिन्होंने अपनी किताब में पति की क्रिकेटिंग लाइफ से जुड़े कुछ अहम किस्सों और वाकियों को साझा किया है। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को भारत की टेस्ट टीम से बाहर हुए दो साल से ज्यादा समय बीत चुका है। उन्हें आखिरी बार भारत के लिए जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते देखा गया था। तब से वह टीम से बाहर हैं। पुजारा ने भारत के लिए 103 टेस्ट मैचों में 7195 रन बनाए हैं। इनमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। दमदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें टीम में जगह नहीं मिल रही है। चेतेश्वर की पत्नी पूजा ने अपनी किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर वाइफ' में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पुजारा को टीम से बाहर करने की कोशिशें हो रही थीं। यह घटना उस वक्त की है जब पुजारा फॉर्म से बाहर चल रहे थे और पर्थ टेस्ट में सिर्फ 28 रन बना पाए थे। भारत यह मुकाबला हार गया था और उस वक्त पुजारा हल्की हैमस्ट्रिंग की समस्या से भी जूझ रहे थे। उस वक्त अनुभवी बल्लेबाज को टीम से बाहर करने की चर्चाएं चल रही थीं।पूजा ने लिखा- चेतेश्वर ने अपने तीन दिन के ब्रेक का भरपूर आनंद लिया और अपने कमरे से बाहर नहीं निकले। वे अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट का इलाज करवाने के लिए ही कमरे से बाहर आते थे। एक बार जब वे बाहर निकले तो उन्होंने किसी को फोन पर बातचीत करते हुए सुना, जिसमें कहा गया था कि वे नहीं चाहते कि मेरे पति आने वाले मैच में खेलें, क्योंकि वे फिट नहीं हैं। लेकिन चेतेश्वर ने ये अहसास नहीं होने दिया कि वह अपने बारे में हो रही बातचीत जान चुके हैं और न ही उन्होंने पापा की मेडिकल स्थिति के बारे में किसी को बतायापूजा ने आगे लिखा- मैं आमतौर पर मैदान पर होने वाली गपशप और राजनीति के बारे में दूसरे खिलाड़ियों की पत्नियों से ही जानती थी। चेतेश्वर ने मुझे कभी कुछ नहीं बताया। फोन पर भी वह सिर्फ तीन चीज ही कहता था, 'हमने अभ्यास किया, टीम मीटिंग की और फिर मैं कमरे में वापस आ गया। रोज, साल दर साल मुझे यही सब सुनने को मिला। वह अपने प्रोफेशनल लाइफ को छोड़कर हर चीज़ के बारे में बात करने के लिए तैयार रहता था। कई बार मुझे आश्चर्य होता था कि क्या उसे पता भी है कि उसके आसपास की दुनिया में क्या हो रहा है। लेकिन उसे टीम से बाहर करने चाहने वाले शख्स के बारे में मैं जानना चाहती थी। उसने मुझे रोकने की कोशिश की, लेकिन मैंने आखिरकार उसे मना ही लिया। उसने जवाब दिया, 'वह आदमी जिसकी तुम तारीफ कर रही हो, वही चाहता था कि मुझे टीम से बाहर कर दिया जाए।' मैं उसे देखती रही।पुजारा का जन्म 25 जनवरी 1988 को गुजरात के राजकोट में हुआ था। उनके पिता अरविंद पुजारा और चाचा, बिपिन पुजारा, दोनों सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी थे। उन्होंने क्रिकेट में चेतेश्वर के भविष्य की नींव रखी। पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया और तब से वह टीम के लिए आधारशिला बने हुए हैं। पुजारा का घरेलू करियर प्रभावशाली उपलब्धियों से भरा हुआ है। वह कई मौकों पर सौराष्ट्र के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। इसमें रणजी ट्रॉफी का 2017-18 संस्करण भी शामिल है। वहां उन्होंने सिर्फ चार मैचों में 437 रन बनाए थे। पारी को एंकर करने और बड़े शतक बनाने की उनकी क्षमता घरेलू क्रिकेट में सौराष्ट्र की सफलता में महत्वपूर्ण रही है। 2019-20 रणजी ट्रॉफी में पुजारा ने फर्स्ट क्लास में 50 शतक पूरे किए थे।

चहल की फिरकी में फंसे सीएसके के बल्लेबाज,आईपीएल में ली दूसरी हैट्रिक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 34 वर्षीय गेंदबाज चहल ने इस मुकाबले में अपनी फिरकी का जाल बिछाया और चेन्नई के बल्लेबाजों को फंसा लिया। उन्होंने 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर धोनी को अपना शिकार बनाया। इसके बाद चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः दीपक हुड्डा, अंशुल कंबोज और नूर अहमद को पवेलियन की राह दिखाई। इसी के साथ वह पंजाब किंग्स के लिए हैट्रिक लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए पंजाब किंग्स के अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल मौजूदा आईपीएल सत्र में घातक फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पारी के 19वें ओवर में बड़ा कारनामा कर दिया। इस ओवर में चहल ने कुल चार विकेट लिए जिसमें हैट्रिक भी शामिल है। यह उनकी आईपीएल में दूसरी हैट्रिक है। इसी के साथ उन्होंने युवराज सिंह की बराबरी कर ली। पूर्व खिलाड़ी ने 2009 में दो बार हैट्रिक ली थी। आईपीएल में सबसे ज्यादा बार हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम दर्ज है। उन्होंने 2008, 2011 और 2013 में हैट्रिक ली थी।34 वर्षीय गेंदबाज चहल ने इस मुकाबले में अपनी फिरकी का जाल बिछाया और चेन्नई के बल्लेबाजों को फंसा लिया। उन्होंने 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर धोनी को अपना शिकार बनाया। इसके बाद चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमशः दीपक हुड्डा, अंशुल कंबोज और नूर अहमद को पवेलियन की राह दिखाई। इसी के साथ वह पंजाब किंग्स के लिए हैट्रिक लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में सैम करन और अमित मिश्रा की बराबरी कर ली। दोनों ने एक-एक बार आईपीएल में इस टीम के लिए हैट्रिक ली है। इस मामले में शीर्ष पर युवराज सिंह हैं जिन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए दो बार हैट्रिक ली है। इस मुकाबले में चहल ने अपने कोटे के कुल तीन ओवर गेंदबाजी की और चार विकेट हासिल किए। उन्होंने चेन्नई को चारों झटके पारी के 19वें ओवर में ही दिए। इसी के साथ वह एक ओवर में चार विकेट हासिल करने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। उन्होंने अमित मिश्रा और आंद्रे रसेल की बराबरी कर ली। दोनों ने क्रमशः 2013 और 2022 में यह कारनामा किया था। चहल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक ओवर में चार विकेट ले चुके हैं। अब उनके नाम सबसे ज्यादा चार विकेट हॉल का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

आईपीएल के पूरे सत्र से बाहर हुए ग्लेन मैक्सवेल पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने दिया जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर ने कहा कि उनकी (मैक्सवेल) अंगुली में फ्रैक्चर है। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वह पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। हालांकि, अब तक फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल नहीं खेल रहे हैं। वह चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इसकी जानकारी पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस के दौरान दी। उन्होंने कहा कि उनकी (मैक्सवेल) अंगुली में फ्रैक्चर है। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि वह पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं। हालांकि, अब तक फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।मौजूदा सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मैक्सवेल पंजाब की तरफ से खेलते दिख रहे हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें 4.2 करोड़ रुपये की मोटी कीमत पर टीम में शामिल किया था। हालांकि, वह अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अब तक खेले सात मुकाबलों में वह सिर्फ 48 रन ही बना सके हैं और उन्होंने चार बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई है। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर चेन्नई सुपर किंग्स को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया कि इस मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल नहीं खेलेंगे। उन्हें चोट लगी है। उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को शामिल किया गया है। वहीं, चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि उन्होंने प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया है।

पंजाब से पिछली हार का बदला लेने उतरेगी चेन्नई, धोनी-अय्यर पर रहेंगी नजरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स बुधवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगी। मौजूदा सत्र का 49वां मुकाबला चेपॉक में ही खेला जाएगा जहां पांच बार की विजेता चेन्नई की नजर पंजाब से पिछली हार का बदला लेने पर होगी। चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपॉक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी। यहां तक कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा करिश्माई खिलाड़ी भी कोहनी की चोट के कारण बाहर होने वाले ऋतुराज गायकवाड़ से कप्तानी संभालने के बाद टीम में जोश भरने में नाकाम रहा है। धोनी ने स्वीकार किया कि चेन्नई की टीम अभी तक सही संयोजन तैयार करने में असफल रही है। धोनी ने कहा- 'अगर आप पावरप्ले देखें, चाहे वह संयोजन हो या परिस्थितियां, हम बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं। इस मैच में कुछ खिलाड़ियों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। चेन्नई के युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे जब पावरप्ले में अर्शदीप सिंह का सामना करेंगे तो वह दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। बीच के ओवरों में सबसे मनोरंजक जंग शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच होने की उम्मीद है। चहल शानदार फॉर्म में हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई का मध्य क्रम उनकी चुनौती से कैसे पार पाता है। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई है और इन दोनों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद पर होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर के रूप में पंजाब को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है जो अच्छी तरह से सूत्रधार की भूमिका निभाता है। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। धोनी 43 साल का होने के बावजूद मैच का सकारात्मक अंत करने में सक्षम हैं लेकिन विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

कुलदीप-रिंकू थप्पड़ विवाद को केकेआर ने किया खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दिख रहा था कि कुलदीप ने रिंकू को दो बार थप्पड़ जड़े। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस हैरत में पड़ गए थे कि आखिर किस कारण कुलदीप ने रिंकू को थप्पड़ लगाए। कुलदीप यादव और रिंकू सिंह के बीच थप्पड़ विवाद पर अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चुप्पी तोड़ी है और ऐसी किसी घटना को खारिज किया है। दरअसल, दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच मंगलवार को खेले गए मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दिख रहा था कि कुलदीप ने रिंकू को दो बार थप्पड़ जड़े। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस हैरत में पड़ गए थे कि आखिर किस कारण कुलदीप ने रिंकू को थप्पड़ लगाए। वीडियो देखकर लग रहा था कि कुलदीप ने मजाकिया अंदाज में रिंकू के चेहरे पर दो बार थप्पड़ मारे, जिससे केकेआर का यह बल्लेबाज असमंजस में पड़ गया। भारतीय टीम के लिए साथ खेलने वाले कुलदीप और रिंकू के बीच अच्छी दोस्ती है और यह दोनों खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान खुश नजर आ रहे थे। वीडियो में भी दिखा था कि रिंकू हंस-हंस कर बातें कर रहे हैं, लेकिन तभी किसी बात पर कुलदीप रिंकू को थप्पड़ मार देते हैं। विवाद उठने के बाद केकेआर ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें कुलदीप और रिंकू का याराना दिख रहा है। इस वीडियो में दोनों 'लव' का साइन बनाते दिख रहे हैं और एक दूसरे के कंधे पर हाथ डालकर खड़े हैं। वीडियो में आगे दोनों के बीच कितनी गहरी दोस्ती है उसे दर्शाया गया है। मैच की बात करें तो केकेआर ने दिल्ली को 14 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी है। गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। दिल्ली ने इस सत्र में अब तक पांच मुकाबले जीते, जबकि एक में उन्हें शिकस्त मिली है। मंगलवार को इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की आस बरकरार रखी है। उनके खाते में नौ अंक हो गए और उनका नेट रन रेट 0.271 हो गया है। वहीं, दिल्ली 12 अंक और 0.362 का नेट रन रेट लेकर चौथे स्थान पर है। उनके कुल चार मुकाबले अपने घर में खेले हैं। इनमें उन्होंने तीन मैच गंवाए जबकि एक में उन्हें सुपरओवर में जीत मिली है। वहीं, घर से बाहर अक्षर पटेल की टीम ने छह में से

सम्पादकीय

कश्मीर की आर्थिकी पर भी आघात, पर्यटन क्षेत्र को भी करारा झटका

कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र को भी करारा झटका दिया है। इसके साथ ही पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में घोर निराशा घर कर गई है। जम्मू-कश्मीर में लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन हैं। इस आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या कम होते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल एवं फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे हैं। इसका सीधा असर वहां के पर्यटन उद्योग-कारोबार और स्थानीय लोगों की आय पर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि पिछली सदी के अंतिम दशक में जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था, जब कश्मीरी हिंदू घाटी छोड़कर जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन अनुच्छेद 370 और 35ए हटाए जाने और विधानसभा चुनाव के बाद माहौल सुरक्षित होने के बाद प्रदेश में देश-विदेश के पर्यटकों के कदम तेजी से बढ़ने लगे थे। पर्यटन की ताकत के दम पर राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने लगी थी। वित्त वर्ष 2024-25 में जम्मू-कश्मीर की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रही। उसका सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 प्रतिशत बढ़कर डेढ़ लाख रुपये से अधिक हो गई है। इस कारण बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम जम्मू-कश्मीर में पहुंचे पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में वहां 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढ़कर 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। इस समय प्रदेश के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का है। आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 प्रतिशत हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 प्रतिशत ही है। राज्य के गैर कर राजस्व में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़कर 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है, लेकिन अब इस आतंकी हमले ने पर्यटन कारोबार को संकट में डाल दिया है। वर्ष 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के कारण भी जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी। पर्यटन कश्मीर की आर्थिक शक्ति है, जबकि एक दशक पहले कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका थी। हालांकि जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में संलग्न दिखते हैं। कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दलहन, तिलहन तथा तंबाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आड़ू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते हैं, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के बढ़ने से राज्य की आर्थिकी में सुधार होने लगा था। इससे कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा था। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा था। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोड़कर दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी थी। कश्मीरी लोगों के जीवनस्तर में सुधार होने लगा था। नया निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढ़ने लगी थी, लेकिन पहलगाम में आतंकी हमला कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। साफ है कि आतंकियों ने कश्मीरी लोगों की आर्थिकी पर भी करारा आघात किया है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटन क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डालर रहा। पर्यटन उद्योग करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डालर का हो सकता है। भारत दुनिया के खूबसूरत और अद्भुत देशों में से एक है। भारत अपने बेजोड़ पर्यटन स्थलों के दम पर दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करने की संभावनाएं रखता है। सदियों से पर्यटक और आगंतुक इसके स्थलों की ओर आकर्षित होते रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2023 में 1.89 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। उस साल पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। घरेलू पर्यटक भी देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर गए। इसके बावजूद भारत में पर्यटन उद्योग अभी बहुत पीछे है। पर्यटकों का खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में पुनः निवेश का काम करता है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से रोजगार और पर्यटन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार भी बढ़ते हैं। उम्मीद है कि मोदी सरकार कुछ ऐसे कदम उठाएगी, जिससे पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश में पर्यटन पर छाए निराशा के बादल छंटेंगे।

पाकिस्तानी सेना को नहीं सुहाती शांति

पूरा देश इस समय पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आक्रोश में है। चूंकि यह आतंकी हमला पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के एक हालिया जहरीले भाषण के कुछ दिन बाद ही हुआ, इसलिए इस हमले के तार उनके उस संबोधन से भी जोड़कर देखे जा रहे हैं। गत 16 अप्रैल को इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के समक्ष दिया गया उनका यह भाषण खासा चर्चित हुआ था। आज इस भाषण के बिंदुओं और उसके महत्वपूर्ण संदर्भ को समझना और जरूरी हो गया है। मुनीर के भाषण के मुख्य रूप से तीन पहलू हैं। पहला यह कि यह संबोधन उस पृष्ठभूमि में हुआ, जब पाकिस्तान बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। इन मुश्किलों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, अलगाववाद, पानी की साझेदारी को लेकर प्रांतों में खटपट और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था जैसे पहलू जुड़े हैं। पाकिस्तानी आर्थिकी तो इतनी कठिनाइयों में फंसी है कि आइएमएफ जैसी संस्थाओं के रहमो-करम पर बस किसी तरह चल रही है। दूसरा, अपने भाषण के जरिये उन्होंने विदेश में बसे पाकिस्तानियों का समर्थन जुटाने का प्रयास किया, जो इमरान खान के समर्थक माने जाते हैं। तीसरा पहलू संभवतः सबसे अहम है कि उन्होंने सेना प्रमुख के रूप में अपने सेवा विस्तार के लिए दांव चला, क्योंकि नवंबर में उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वह यही साबित करना चाहते थे कि सेना ही साहस और एकजुटता से समस्याओं का सामना कर रही है, पर वह अपनी इन कोशिश में सफल होते नहीं दिखे। मुनीर के भाषण का सार समझें तो उन्होंने हिंदू-मुस्लिम दो अलग-अलग पहचान बताते हुए पाकिस्तान के गठन की आवश्यकता को नए सिरे से रेखांकित किया। बलूचिस्तान में अलगाववाद को लेकर दावा किया कि यह बहुत बड़ी समस्या नहीं और कश्मीर को पाकिस्तान की 'गर्दन की नस' बताकर उसके प्रति संवेदनशीलता जाहिर की। इसमें सबसे विवादित अंश को देखें तो उन्होंने मुसलमानों को हिंदुओं से सर्वथा भिन्न बताते हुए भारत-विरोधी विमर्श को नए तेवर दिए। उन्होंने कहा, 'हमारे पूर्वजों ने यही सोचा कि जीवन के प्रत्येक पहलू के लिहाज से हम हिंदुओं से बिल्कुल अलग हैं। हमारा मजहब, हमारी मान्यताएं, हमारी परंपराएं और आकांक्षाएं बिल्कुल अलग हैं। इसी कारण द्विराष्ट्रवाद की नींव तैयार की गई। हम दो अलग देश हैं, जो किसी सूरत में एक नहीं।' उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान का गठन जिस द्विराष्ट्रवाद की धारणा पर हुआ, वह भावना भावी पीढ़ियों में भी अवश्य भरी जानी चाहिए।

भारत में जातिगत जनगणना तो होगी मगर कब

संविधान के अनुच्छेद 246 के मुताबिक जनगणना संघ का विषय है और संविधान की सातवीं अनुसूची के क्रम संख्या 69 पर सूचीबद्ध है। जनगणना अधिनियम, 1948 स्वतंत्र भारत में जनगणना के संचालन के लिए कानूनी आधार बनाता है। भारत सरकार ने आखिर एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने की घोषणा कर ही दी है। इस मसले को लेकर विपक्ष और खासकर कांग्रेस बड़ा चुनावी मुद्दा बना रही थी। यह निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल और राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी द्वारा मंजूर किया गया। हालांकि, इस घोषणा के साथ एक महत्वपूर्ण सवाल अनुत्तरित रह गया है कि जनगणना और इसके साथ होने वाली जातिगत गणना आखिर कब शुरू होगी?समय सीमा की यह अस्पष्टता न केवल प्रशासनिक चुनौतियों को उजागर करती है, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी हवा दे रही है। चूंकि इसी तरह महिला आरक्षण का निर्णय होने के बाद कानून भी पास हो रखा है लेकिन कानून लागू होने की समय सीमा अनिश्चित है। जातिगत गणना का यह निर्णय बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लिया गया है, जो इसके राजनीतिक निहितार्थों को और गहरा करता है।संविधान के अनुच्छेद 246 के मुताबिक जनगणना संघ का विषय है और संविधान की सातवीं अनुसूची के क्रम संख्या 69 पर सूचीबद्ध है। जनगणना अधिनियम, 1948 स्वतंत्र भारत में जनगणना के संचालन के लिए कानूनी आधार बनाता है। केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना के इस ऐतिहासिक निर्णय के बावजूद, इसकी समय सीमा को लेकर कई अनिश्चितताएं हैं। जिन पर सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी है। नियमानुसार भारत में हर 10 साल में जनगणना आयोजित होती है, लेकिन 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। अब यह अनुमान है कि जनगणना सितंबर 2025 से शुरू हो सकती है और 2026 तक चलेगी, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है। कुछ समाचार स्रोतों के अनुसार, अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 तक प्रकाशित हो सकते हैं। हालांकि, यह अनुमान भी अनिश्चित है। जनगणना को लेकर अनिश्चितता का एक कारण बजट भी है। सन् 2025 के केंद्रीय बजट में जनगणना के लिए पर्याप्त धनराशि का प्रावधान नहीं किया गया है। यह प्रक्रिया को और विलंबित कर सकता है। बिहार के अनुभव से पता चलता है कि जातिगत जनगणना के लिए व्यापक संसाधनों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। जातिगत जनगणना एक जटिल प्रक्रिया है, क्योंकि भारत में हजारों जातियां और उप-जातियाँ हैं। बिहार में 214 जातियों की गणना की गई, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या बहुत अधिक हो सकती है। डेटा संग्रह, सत्यापन, और विश्लेषण में समय लगेगा।केंद्र सरकार ने पहले तर्क दिया था कि जातियों की गणना करना लंबा और कठिन कार्य है। यह अस्पष्टता राष्ट्रीय जनगणना में भी बाधा बन सकती है। जातिगत जनगणना के आंकड़े न केवल सामाजिक नीतियों, बल्कि आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों को भी प्रभावित करेंगे। सरकार ने महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023) कानून तो पास करा दिया मग रवह कब लागू होगा? यह भी अनिश्चित है। उसे लागू करने के लिए भी जनगणना और परिसीमन आवश्यक है। यह प्रक्रिया जातिगत जनगणना के परिणामों को और विलंबित कर सकती है। बिहार ने जातिगत जनगणना के मामले में अग्रणी भूमिका निभाई है। सन् 2019 और 2020 में बिहार विधानसभा और विधान परिषद ने जातिगत जनगणना का प्रस्ताव पारित किया था। 2022 में नीतीश कुमार सरकार ने स्वतंत्र रूप से जाति आधारित सर्वेक्षण शुरू किया, जिसके आंकड़े 2 अक्टूबर 2023 को जारी किए गए। इस सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ है, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36.01प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 27.12प्रतिशत, अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत है। सामान्य वर्ग की आबादी 15.52 प्रतिशत बताई गई। यह सर्वेक्षण दो चरणों में हुआ था। पहला चरण (7-31 जनवरी 2023) में मकानों की गणना, और दूसरा चरण (15 अप्रैल 2023 से) में व्यक्तियों की गणना। बिहार सरकार ने डिजिटल तकनीक का उपयोग किय गयाा, जिसमें ''बीजगा'' (बिहार जाति आधारित गणना) मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया। हालांकि, इस प्रक्रिया को पटना हाई कोर्ट में चुनौती दी गई, और मई 2023 में इस पर रोक लगा दी गई थी। बाद में, अगस्त 2023 में हाई कोर्ट ने याचिकाओं को खारिज कर सर्वेक्षण को मंजूरी दी। जातिगत जनगणना की घोषणा का समय बिहार विधानसभा चुनाव (अक्टूबर-नवंबर 2025) से ठीक पहले का है, जो इसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। बिहार में जातिगत जनगणना का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए एक प्रमुख हथियार रहा है। नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल ने 2023 में जातिगत सर्वेक्षण को सफलतापूर्वक लागू किया, जिसे एक ऐतिहासिक कदम माना गया। इस सर्वेक्षण ने ओबीसी और ईबीसी की 63 प्रतिशत आबादी को उजागर किया, जिससे इन समुदायों के बीच नीतीश और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की लोकप्रियता बढ़ी। 2025 के चुनाव में, केंद्र का यह निर्णय नीतीश सरकार की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दे सकता है। आरजेड नेता तेजस्वी यादव ने इसे 'दशकों के संघर्ष का प्रतिफल' बताया था।भारतीय जनता ने अतीत में जातिगत जनगणना का विरोध किया था, लेकिन विपक्ष में रहते हुए इसकी मांग भी की थी। 2024 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जातिगत जनगणना का समर्थन किया, लेकिन इसका उपयोग 'चुनावी उद्देश्यों' के लिए न करने की शर्त रखी। बिहार में भाजपा ने 2023 के सर्वेक्षण का समर्थन किया था, क्योंकि वह उस समय नीतीश सरकार का हिस्सा थी। अब केंद्र के निर्णय से भाजपा को ओबीसी और ईबीसी वोटरों को लुभाने का अवसर मिल सकता है, लेकिन समय सीमा की अस्पष्टता इसे कमजोर कर सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बार-बार जातिगत जनगणना को 'सामाजिक न्याय' का आधार बताया है। उन्होंने बिहार के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि आबीसी, एससी और एसटी की 84 प्रतिशत आबादी के बावजूद, केंद्र सरकार में उनकी भागीदारी कम है। विपक्ष इस अस्पष्टता को सरकार की 'नीति और नीयत' पर सवाल उठाने के लिए उपयोग कर सकता है, खासकर अगर जनगणना में देरी होती है। जातिगत जनगणना की घोषणा ने आबीसी, एससी और एसटी समुदायों में उम्मीदें जगा दी हैं। समय सीमा की अनिश्चितता इन समुदायों में निराशा पैदा कर सकती है, जिसका राजनीतिक दलों को नुकसान हो सकता है। बिहार जैसे राज्यों में, जहाँ जातिगत समीकरण चुनावी परिणाम तय करते हैं, यह अस्पष्टता मतदाताओं के बीच अविश्वास को बढ़ा सकती है। जातिगत आंकड़े सामाजिक कल्याण योजनाओं, आरक्षण नीतियों, और संसदीय सीटों के परिसीमन को प्रभावित करेंगे। देरी होने पर ये नीतियाँ भी विलंबित होंगी, जैसा कि महिला आरक्षण के मामले में देखा गया है। समय सीमा की अस्पष्टता विपक्ष को सरकार पर घोषणा बिना कार्यान्वयन' का आरोप लगाने का मौका देगी। वहीं, सत्तारूढ़ दल इसे 'ऐतिहासिक कदम' के रूप में प्रचारित कर सकते हैं।

जल संरक्षण की प्रेरणा देता 'खूनी भंडारा

मध्य प्रदेश के निमाड़?क्षेत्र में स्थित जल संरक्षण की अद्भुत संरचना आधुनिक रेनवाटर हार्वेस्टिंग से मिलती-जुलती है। खूनी भंडारा के नाम से प्रसिद्ध यह प्राचीन जलाशय तकनीकी दृष्टि से बेहद अनूठा है। इसे जमीन के भीतर करीब 400 साल पहले बनाया गया था। कहा जाता है कि जब यह भंडारा बन रहा था, तब कुछ लुटेरों ने स्थानीय निवासियों पर हमला कर दिया। हिंसा में कई लोग मारे गए और उनके शव इस संरचना में गिरा दिए गए। रक्त से रंगे पानी के कारण इसे 'खूनी भंडारा' कहा जाने लगा। हम जब जल संकट व?ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों की बात करते हैं, तो हमारे जेहन में आधुनिक समाधान आते हैं। लेकिन भारत में सदियों पुरानी तकनीकें और जल संरक्षण की ऐतिहासिक संरचनाएं आज भी चौंकाती हैं। मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र के बुरहानपुर जिले में स्थित 'खूनी भंडारा' ऐसी ही एक अद्भुत मिसाल है, जो न सिर्फ अपनी निर्माण शैली के लिए जानी जाती है, बल्कि इसके पीछे छिपी कहानियां भी इसे रहस्यमय बना देती हैं। दरअसल, खूनी भंडारा एक पारंपरिक जल संग्रहण प्रणाली है, जिसे स्थानीय भाषा में कुंडी भी कहा जाता है।निमाड़ का यह प्राचीन जलाशय तकनीकी दृष्टि से बेहद अनूठा है। इसे जमीन के भीतर करीब 400 साल पहले बनाया गया था। इसकी खासियत यह है कि बारिश का पानी भूमिगत नालियों के माध्यम से इसमें इकट्ठा हो जाता है, और फिर स्वच्छ रूप में लोगों तक पहुंचता है। यह प्रणाली इतनी कारगर है कि आज भी इसमें मीठा पानी उपलब्ध है। इतिहासकारों के अनुसार, खूनी भंडारा कभी 108 स्रोतों से पानी जमा करता था और आज भी इसके कुछ स्रोत सक्रिय हैं। निमाड़ की कठोर जलवायु में यह संरचना स्थानीय जीवनरेखा बनी हुई है।सवाल उठता है कि इसे 'खूनी भंडारा' क्यों कहा जाता है? इसके पीछे एक दिलचस्प किंवदंती है। कहा जाता है कि जब यह भंडारा बन रहा था, तब कुछ लुटेरों ने स्थानीय निवासियों पर हमला कर दिया। हिंसा में कई लोग मारे गए और उनके शव इस संरचना में गिरा दिए गए। रक्त से रंगे पानी के कारण इसे 'खूनी भंडारा' कहा जाने लगा। हालांकि, यह सिर्फ लोककथा है, लेकिन इसने इस जल संरचना को रहस्यमय पहचान जरूर दी है। कुछ लोग इसे 'भयंकर भंडारा' भी कहते हैं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि समय के साथ इसमें कितनी कहानियां जुड़ गई हैं। निर्माण तकनीक की बात करें, तो इसकी प्रणाली आज की आधुनिक 'रेनवाटर हार्वेस्टिंग' से मिलती-जुलती है। वर्षाजल भूमि के नीचे बने जलाशय में संग्रहीत होता है, जहां मिट्टी और पत्थरों की प्राकृतिक परतें इसे छानने का काम करती हैं। यही वजह है कि इसमें संग्रहीत पानी वर्षों तक स्वच्छ और उपयोग योग्य बना रहता है। 'खूनी भंडारा' हमें यह याद दिलाता है कि जल संरक्षण केवल आधुनिक विज्ञान पर निर्भर नहीं है, बल्कि हमारी परंपराएं और पुरखों की दूरदर्शिता भी इसमें गहरी भूमिका निभाती है। यह धरोहर आज भी लोगों के जीवन में जल आपूर्ति का अहम स्रोत बनी हुई है। अगर हम ऐसी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित करें और उनसे सीखें, तो भविष्य में जल संकट से निपटना आसान हो सकता है।

डर के आगे हौसले की जीत होती है

कहा जाता है कि कश्मीरी खुद से और अपने परिवार के बाद सबसे ज्यादा प्यार टूरिस्ट से करते है, क्योंकि उनसे उनके परिवार का रोजगार चलता है। इस बार आतंकियों ने टूरिस्टों के सीने पर तो गोली मारी, लेकिन लाखों कश्मीरियों के चूल्हे की आग भी ठंडी कर दी। धरती पर बसे कुदरत के खूबसूरत शहर कश्मीर को देखने की इच्छा पूरी हुई। इंदौर से निकली फ्लाइट ने जब कश्मीर की धरती पर कदम रखा तो बर्फीली पहाड़ों पर चमकीली धूप को भर भर कर देखते रहे। छोटी बेटी रूही ने नन्हा सा सवाल पूछा - पापा क्या हम यहां घर नहीं बना सकते? यहां रहने आ सकते है क्या?उस वक्त तो मैं मुस्कुरा दिया, लेकिन बेटी को जवाब शाम को श्रीनगर के माहौल ने दिया। दोपहर में पहलगाम पर टूरिस्टों पर अटैक हुआ। खुशनुमा माहौल में शंका के बादल मंडराने लगे। बेटी ने शाम को पूछा - पापा हमारी ट्रीप कैंसल क्यों हो गई? होटल से सब लोग सामान लेकर क्यों निकल रहे है। जिस ट्यूलिप गार्डन में हमें रीले बना कर निकले, वो बंद हो गया। शाम को रिश्तेदारों, दोस्तों के कॉल आने लगे। सब ठीक तो है न? क्या माहौल है वहां का, तुम सब लौट आओ... जैसी उनकी चिंताएं हमें भी सताने लगी। दूसरे दिन कश्मीरियों ने आतंकी घटना के विरोध में पूरा कश्मीर बंद रखा। गलियों चौबारों में घटना के विरोध में प्रदर्शन हुए। कहा जाता है कि कश्मीरी खुद से और अपने परिवार के बाद सबसे ज्यादा प्यार टूरिस्ट से करते है, क्योंकि उनसे उनके परिवार का रोजगार चलता है। इस बार आतंकियों ने टूरिस्टों के सीने पर तो गोली मारी, लेकिन लाखों कश्मीरियों के चूल्हे की आग भी ठंडी कर दी। तनाव भरे माहौल के बीच हमने भी सोचा कि होटल की चार दिवारी में खुदवको कैद रखकर कश्मीर आने के फैसले को कोसने के बजाए निकला जाए। मैं पहले अकेला बाजार में माहौल देखने के निकला। गालियां सुनसान थी। जो लोग यहां वहां खड़े बतिया रहे थे, वे भी इस घटना से दुखी थे। मैंने कार ड्राइवर आदिल को कॉल किया। उनसे बताया कि गुलमर्ग जा सकते है। वहां टूरिस्ट प्लेस पर रोक नहीं लगी। डर,चिंता, तनाव को लगेज में रख कर मैं, पत्नी और दोनों बेटियां निकल गए। इस हौसले के साथ कि जो भी होगा देखा जाएगा। 60 किलो मीटर का सफर तय कर गुलमर्ग पहुंचे। यहां बर्फ पर चलने वाले जूते किराए के लिए लेने गए, तो दुकान वाले ने कहा रहने दीजिए, आप लोग यहां आए है ये क्या कम है। उसके बात टालते हुए पांच सौ का नोट उसकी जेब में रखा और निकले, ये अच्छी बात थी कि इस घटना के बाद सोनमर्ग में भी टूरिस्टों के जाने पर रोक नहीं लगी। आतंकी हमला न हो, इसलिए पहाड़ों पर सेना के जवान तैनात थे। संगीन के साए में दोनों बेटियों ने स्नो मेन बनाए, एक दूसरे पर बर्फ फेंकी। एक कश्मीरी ने आकर पूछे - सर रील बनाना है क्या?वैसे 150 रूपए लगते है, आप 100 रूपए दे देना। उनका मन रखने के लिए तीन रील बनवा ली, फिर होटल लौट आए। जम्मू नेशनल हाईवे पांच जगह से टूटा है। सड़क से जम्मू नहीं जा सकते थे। माता के दरबार वैष्णो देवी पर जाने की इच्छा अधूरी रही। मजबूरी में श्रीनगर से दिल्ली तक की फ्लाइट करवानी पड़ी। पहलगाम सुरक्षा कारणों से बंदा था, वहां जाने का मन था, नहीं जा पाने का मलाल रहेगा।

नेकी का दोना-पत्तल – एक मुहिम भूख मिटाने की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा भूखे को भोजन कराना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता की वह डोर है जो समाज को एकसूत्र में पिरोती है। इसी भाव के साथ नेकी का डब्बा फाउंडेशन

की विशेष पहल नेकी का दोना-पत्तलठ के अंतर्गत अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ज़रूरतमंदों के लिए ससम्मान सामूहिक भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रॉयल नेस्ट सोसाइटी, मंदिर वाला गेट, टेकज़ोन-4, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में संपन्न हुआ, जिसमें निर्माण स्थल से लौटते श्रमिक, घरेलू सहायिकाएं, सुरक्षा कर्मी, रिक्शा चालक, ज़रूरतमंद बच्चे और राहगीर शामिल रहे। सभी को एक समय का स्वच्छ और सम्मानजनक भोजन प्रदान किया गया। इस सेवा कार्य की प्रेरणास्रोत श्रीमती रुचि (निवासीः सुपरटेक लिविंगस्टन, नोएडा) रहीं, जिन्होंने नेकी का डब्बा फाउंडेशन पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए इस संपूर्ण आयोजन का दायित्व स्वयं उठाया। फाउंडेशन के संस्थापक गिरीश चंद्र शुक्ला ने बताया कि ठनेकी का दोना-पत्तलठ केवल भोजन वितरण की पहल नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है, जो उन लोगों तक पहुँचना चाहता है जो रोज़मर्रा की भूख से जूझ रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस अभियान की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस के दिन हुई थी, और तभी से इसमें प्लास्टिक या थर्माकोल जैसी पर्यावरण को हानि पहुँचाने वाली सामग्रियों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है। आज यह पहल इतनी लोकप्रिय होती जा रही है कि लोग अपने जन्मदिन, वर्षगाँठ या अन्य विशेष अवसरों को ज़रूरतमंदों के साथ बाँटकर नेकी का उत्सव मनाने को प्राथमिकता देने लगे हैं। अब लोग बंद कमरों में केक काटने की बजाय समाज के वंचित वर्ग के बीच जाकर खुशियाँ बाँटना अधिक सार्थक मानने लगे हैं। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गिरीश चंद्र शुक्ला, उर्वशी मसंद, कमल किशोर, सचिन सेंगर, सावित्री चौधरी, नीरज मिश्रा, अनिल जौहरी, रामनिवास रावत, पूजा शुक्ला, विदित शुक्ला, वर्णिका शुक्ला, अशोक, उ॰ सेठ, सदन शर्मा, दीप्ति जिंदल सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कपिलोपाख्यान और ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री विष्णु महायज्ञ के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य अमित दीक्षित ने कपिलोपाख्यान के उपरांत ध्रुव चरित्र का रोचक वर्णन किया। मनु और शतरूपा के दो पुत्र हुए और तीन पुत्रियां। पुत्रों के नाम प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां हैं एक का नाम सुरुचि और दूसरी का नाम सुनीति है। राजा सुरुचि को अधिक प्यार करते हैं जिनके पुत्र का नाम उत्तम है और सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव है। बालक ध्रुव एक बार पिता की गोद में बैठने की जिद करने लगता है लेकिन सुरुचि उसे पिता की गोद में बैठने नहीं देती है। ध्रुव रोता हुआ मां सुनीति को सारी बात बताता है , मां की आंखों में आंसू आ जाते हैं और वह ध्रुव को भगवान की शरण में जाने को कहती हैं। पांच वर्ष का बालक ध्रुव राज्य छोड़कर वन में तपस्या के लिए चला जाता है। नारद जी रास्ते में मिलते हैं और ध्रुव को समझाते हैं कि मैं तुम्हें पिता की गोद में बैठाउँगा लेकिन ध्रुव ने कहा कि पिता की नहीं अब परम पिता की गोद में बैठना है। कठिन तपस्या से भगवान प्रसन्न हो वरदान देते हैं | आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 1 मई को वामन अवतार, राम जन्म, कृष्ण जन्म आदि कथाओं का वर्णन किया जाएगा।इस अवसर पर महंत ओम भारती जी महाराज, फलाहारी महाराज, विकास भारती जी, यज्ञाचार्य मनोहर दीक्षित, अशोक कुमार, परदेशी, गोपेश पांडेय सहित तमाम भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।

गलत दिशा से आ रहे वाहन से टकराई भाजपा नेता की कार, एयर बैग ने बचा ली पिता-पुत्र की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हादसा नरसिंहपुर रोड स्थित अग्रवाल भवन के पास उस वक्त हुआ, जब वे एक वैवाहिक समारोह से लौट रहे थे। टक्कर

से दोनों गाड़ियों को नुकसान हुआ, लेकिन दोनों केवल मामूली रूप से घायल हुए और उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। छिंदवाड़ा जिले में बुधवार की रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बच गया। यहां मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना और उनके पुत्र, युवा भाजपा नेता अजय सक्सेना, गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार की सीधी टक्कर में बाल-बाल बच गए। हादसा नरसिंहपुर रोड स्थित अग्रवाल भवन के पास रात करीब 9:30 बजे हुआ, जब दोनों पिता-पुत्र एक वैवाहिक समारोह से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, दीपक सक्सेना और अजय सक्सेना अग्रवाल भवन में एक विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार नरसिंहपुर रोड पर आगे बढ़ी, सामने से गलत दिशा में आ रही एक सफेद स्विफ्ट कार ने उनकी कार को सीधे आकर टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्विफ्ट कार के एयरबैग खुल गए और पूर्व मंत्री की कार सड़क पर बुरी तरह से हिचकोले खाने लगी।

सैनिक की पत्नी फिरोजपुर रवाना, कहा- पति की वापसी न होने से बढ़ रही चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पंजाब के फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात साहू को बुधवार को पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। वे अनजाने में पाकिस्तान क्षेत्र में चले गए थे। उनको अब तक पाकिस्तानी

सेना ने रिहा नहीं किया है। अब बीएसएफ जवान की पत्नी फिरोजपुर रवाना हुई है।पंजाब के फिरोजपुर बॉर्डर पर गलती से सरहद लांघ कर पड़ोसी मुल्क की सीमा से पाकिस्तानी सेना द्वारा पकड़े गए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पीके साहू को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। इसे लेकर सैनिक के परिजनों की चिंता बढ़ रही है। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी सोमवार को पश्चिम बंगाल के रिशरा स्थित अपने घर से फिरोजपुर के लिए रवाना हुईं। वे फिरोजपुर बॉर्डर पर पहुंचकर अपने पति की वापसी को लेकर बीएसएफ अधिकारियों से बात करेंगी। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी ने कहा कि यदि बीएसएफ शिविर के अधिकारियों से उनकी पूछताछ संतोषजनक नहीं रही तो वह केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य सरकारी अधिकारियों से मुलाकात के लिए फिरोजपुर से दिल्ली आएंगी। बीएसएफ जवान की पत्नी गर्भवती हैं। उनके साथ उसका बेटा और तीन रिश्तेदार फ्लाइट के जरिये कोलकाता से चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। चंडीगढ़ से वह भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित फिरोजपुर जाएंगे।रजनी ने कहा कि मैं बता नहीं सकती कि मैं कितने तनाव में हूं, क्योंकि बीएसएफ अधिकारी मुझसे सिर्फ चिंता न करने को कह रहे हैं। कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है। मैं बहुत चिंतित हूं। इसलिए मैंने अपनी स्थिति के बावजूद यात्रा की योजना बनाई। इससे पहले रविवार को रजनी ने कहा था कि खबर सुनने के बाद से मैं चिंता में हूं। पांच दिन हो गए हैं और अभी भी उनकी वापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैंने चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट ली है। वहां से मैं फिरोजपुर जाऊंगी। मेरा बेटा और तीन अन्य रिश्तेदार मेरे साथ जाएंगे। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिशरा के हरिसभा क्षेत्र के निवासी बीएसएफ जवान के माता-पिता ने कहा कि वे केंद्र सरकार से अपने बेटे की वापसी के लिए हर संभव कदम उठाने की अपील करेंगे। जवान की मां ने कहा कि हम बहुत तनाव में हैं। मैं बीएसएफ अधिकारियों से अपने बेटे को वापस लाने की गुहार लगा रही हूं। पंजाब के फिरोजपुर सीमा पर बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात साहू को बुधवार को पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था।

बांद्रा मॉल में लगी आग का तांडव, फायर ब्रिगेड ने 22 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुंबई के उपनगरीय बांद्रा इलाके में मंगलवार की सुबह इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के शोरूम वाली इमारत में भीषण आग लग गई, बताया कि किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। शुरू में आग इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के शोरूम तक ही सीमित थी, लेकिन जल्द ही आग ने तीन मंजिला मॉल जांच का एलान कर दिया है। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल सका है कि आग की वजह से लगी। उन्होंने मंगलवार को पीटीआई से कहा था कि मॉल में ज्वलनशील पदार्थ

जिसके बाद आग बुझाने के लिए एनडीआरएफ को भी बुलाना पड़ा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग में किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। आग का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक मॉल में लगी भीषण आग पर 22 घंटे से अधिक समय की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बांद्रा पश्चिम में लिंकिंग रोड पर लिंक स्क्वायर मॉल के बेसमेंट में मंगलवार सुबह करीब 4.10 बजे आग लगी थी। बुधवार को दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन सेवाओं की मशक्कत के बाद देर रात 1.41 बजे आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने की ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें 200 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और दुकानें हैं। मॉल पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मंगलवार सुबह 6.25 बजे तक मुंबई फायर ब्रिगेड ने आग को 'लेवल घ्' का करार दिया। इसके बाद बड़े पैमाने पर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) भी अभियान में शामिल हो गया। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि करीब 13 घंटे बाद दमकल विभाग ने 13 दमकल गाड़ियों और अन्य अग्निशमन वाहनों और उपकरणों की मदद से आग पर काबू पा लिया। इसके बाद इसे पूरी तरह से बुझाने के प्रयास किए गए। मुंबई दमकल विभाग के प्रमुख रवींद्र अंबुलगेकर ने पहले ही घटना की भरे हुए थे और वहां पहुंचना आसान नहीं था। अंबुलगेकर ने कहा था कि बाउंड्री की वजह से आग बुझाने में दिक्कतें आ रही थीं। जालीदार शटर की वजह से आग और धुआं एक दुकान से दूसरी दुकान में फैल रहा था। इससे पहले पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी ने दावा किया था कि आग दमकल विभाग की ओर से चूक की वजह से फैली। इसके बाद स्थानीय भाजपा विधायक और महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि उन्होंने नगर निगम प्रमुख भूषण गगरानी को घटना की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया है। मुंबई में दो दिनों के भीतर यह दूसरी बड़ी आग की घटना है, इससे पहले रविवार को बैलार्ड एस्टेट स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय की इमारत में आग लग गई थी।

असम-मेघालय के बीच नया हाईवे, गन्ने के एफआरपी में किया गया इजाफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली में मोदी कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मीटिंग की ब्रीफिंग करते हुए बताया कि मोदी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी सौगात दी है। गन्ने का एफआरपी बढ़ाया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शिलॉन्ग से सिल्चर कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है। केंद्र सरकार की कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले लिए गए हैं। सरकार ने असम और मेघालय के बीच नए हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। यह हाईवे सिलचर से शिलॉन्ग तक बनेगा। इसका निर्माण नॉर्थ ईस्ट कॉरिडोर के तहत किया जा रहा है। इइसके अलावा गन्ने के एफआरपी को बढ़ाने का एलान किया गया है। गन्ने की नई एफआरपी 355 रुपए प्रति कुंटल की गई है। वहीं मोदी सरकार आगामी मूल जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का भी एलान किया है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेघालय के मावलिंगखुंग से असम के पंचग्राम तक 22,864 करोड़ रुपये की कुल लागत से 166.80 किलोमीटर लंबे राजमार्ग के निर्माण की बुधवार को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस राजमार्ग परियोजना का 144.80 किलोमीटर लंबा हिस्सा मेघालय और 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा असम में स्थित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि मंत्रिमंडल ने मेघालय में मावलिंगखुंग (शिलांग के पास) से असम में पंचग्राम (सिलचर के पास) तक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-06 के 166.80 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले मार्ग के विकास, रखरखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को हाइब्रिड एन्युटी मोड पर मंजूरी दे दी है।

यमुना की स्वच्छता के लिए जलशोधन संयंत्रों का होगा थर्ड पार्टी ऑडिट, सीएम रेखा गुप्ता ने जारी किए आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यमुना की स्वच्छता के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों का थर्ड पार्टी ऑडिट कराने का आदेश दिया

है। यमुना की स्वच्छता के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों का थर्ड पार्टी ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इससे संयंत्रों की गुणवत्ता और कार्यकुशलता की सही स्थिति का पता लगाया जा सकेगा।सीएम ने जल बोर्ड मुख्यालय का दौरा किया और यमुना सफाई से संबंधित एक्शन प्लान के संबंध में बैठक की। उन्होंने जल बोर्ड की कार्यप्रणाली, जलापूर्ति व सीवरेज सिस्टम को लेकर कई अहम निर्देश दिए। विभाग की ओर से टैंकर प्रबंधन, शिकायत निवारण प्रणाली और डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहे।सीएम ने कहा कि गर्मी में दिल्ली की सबसे बड़ी चुनौती जलापूर्ति है, लेकिन सीवर व्यवस्था दुरुस्त करना और यमुना की सफाई ये तीनों विषय एक-दूसरे से जुड़े हैं। इन्हीं मुद्दों के समाधान के लिए जल बोर्ड मुख्यालय में जलापूर्ति व्यवस्था, टैंकर संचालन और सीवर नेटवर्क की व्यापक समीक्षा की गई। इसमें जीपीएस आधारित टैंकर जलापूर्ति प्रणाली और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर कैसे पूरे शहर में टैंकरों की वास्तविक समय में आवाजाही पर नजर रखने की प्रक्रिया को समझा गया। सीएम ने कहा कि दिल्ली को 21वीं सदी के अनुरूप जल प्रबंधन मॉडल की जरूरत है। तकनीक से हम जलशोधन व स्वच्छता के नए मापदंड स्थापित करेंगे। दिल्ली में 1226 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइनों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जबकि 154 अनधिकृत कॉलोनियों में काम जारी है। साल 2028 तक राजधानी की सभी अनधिकृत कॉलोनियों को सीवर नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। सभी हाउसहोल्ड को सीवर से जोड़ा जाएगा और स्थानीय स्तर पर सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था की जाएगी। सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के हर घर नल से जल मिशन को सफल बनाने में दिल्ली सरकार पूरी ताकत से जुटी है। दिल्ली जल बोर्ड की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार कर हम राजधानी को जल प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी बनाएंगे। जल वितरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत होगी। वर्तमान सरकार एकीकृत योजना के तहत दिल्ली के जल और सीवर व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

सौंदर्यीकरण के लिए कंपनियों को गोद दिए जाएंगे फ्लाईओवर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजधानी में पीडब्ल्यूडी के तहत 100 से अधिक फ्लाईओवर हैं जिनके नीचे कचरा और अतिक्रमण है। नई नीति के जरिये इन क्षेत्रों का बेहतर उपयोग होगा। इसके तहत पीडब्ल्यूडी टेंडर जारी करेगा और चुनी गई कंपनियां एक अतिक्रमण है। नई नीति के जरिये इन क्षेत्रों का बेहतर उपयोग होगा। इसके तहत पीडब्ल्यूडी टेंडर जारी करेगा और चुनी गई कंपनियां एक पैकेज में पांच फ्लाईओवर गोद ले सकेंगी। हालांकि, फ्लाईओवरों की मरम्मत और रखरखाव का जिम्मा पीडब्ल्यूडी का ही होगा। अधिकारियों के लिए अनुबंध दिए जाएंगे और बेहतरीन काम के लिए गोल्ड और प्लेटिनम रेटिंग दी जाएगी। यदि सफलता मिली तो सबवे और अंडरपास भी इस नीति में आएंगे। बता दें कि पीडब्ल्यूडी 1,400 किमी सड़कों, फ्लाईओवरों और अंडरपास का रखरखाव करती है। आप सरकार

पैकेज में पांच फ्लाईओवर गोद ले सकेंगी। दिल्ली सरकार ने फ्लाईओवरों को सुंदर व नीचे की जगह को उपयोगी बनाने के लिए एडॉप्ट ए फ्लाईओवर नीति शुरू करने की योजना बनाई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इसके तहत निजी कंपनियां, गैर-लाभकारी संगठन और अन्य संस्थाएं फ्लाईओवरों को गोद लेकर देखभाल और सौंदर्यीकरण करेंगी।राजधानी में पीडब्ल्यूडी के तहत 100 से अधिक फ्लाईओवर हैं जिनके नीचे कचरा और ने बताया कि कंपनियां इन जगहों को साफ रखेंगी, अतिक्रमण व दीवारों से गंदगी हटाकर हरियाली बढ़ाएंगी। फ्लाईओवर के नीचे की जगह को खेल का मैदान, ओपन जिम या लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया जा सकता है। खंभों और दीवारों पर स्ट्रीट आर्ट से फ्लाईओवरों को आकर्षक बनाया जाएगा।इससे दिल्ली की सड़कों की सुंदरता बढ़ेगी। पीडब्ल्यूडी इस नीति का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इसका लक्ष्य दक्षिण और बाहरी दिल्ली सहित सभी क्षेत्रों में फ्लाईओवरों और सड़कों को सुंदर बनाना है। कंपनियों को एक साल के कार्यकाल के दौरान लाजपत नगर फ्लाईओवर के नीचे बैडमिंटन कोर्ट, ओपन जिम और योग क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने इसे खारिज कर दिया था।फुटओवर ब्रिज (एफओबी) पर विज्ञापन के जरिये राजस्व अर्जन की नीति पर काम चल रहा है। यह योजना मंजूर हो चुकी है और अब एमसीडी के पास मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। साथ ही, सड़कों, फुटपाथों और नालियों की सफाई के लिए पीडब्ल्यूडी ने ड्रेनेज और सफाई अनुबंध नियमों में बदलाव किया है।

बहन के प्रेमी को बीच सड़क 14 बार चाकू से गोदा, तीनों नाबालिग ने लविश को पहले भी दी थी धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली स्थित लिबासपुर में दिन दहाड़े एक वारदात सामने आई है। यहां तीन लड़कों ने बहन के प्रेमी को चाकू से पार पर पार किए। वारदात के बाद तीनों लड़के भाग गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में नाबालिगों ने बहन के प्रेमी को सरेराह चाकू से गोद डाला। वारदात के बाद तीनों नाबालिग मौके से भाग निकले। राहगीरों ने गंभीर हालत में पीड़ित लविश (24) को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके पेट, गर्दन, हाथ, सीने समेत शरीर के बाकी हिस्सों में 14 चाकू लगे हैं। अस्पताल में उसकी हालत नाज़ुक बनी हुई है। समयपुर बादली थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि लविश की एक युवती से दोस्ती थी। लड़की के भाइयों को यह बात पसंद नहीं थी। उन्होंने पहले लविश को अपनी बहन से दूर रहने के लिए कहा था। लेकिन इसके बाद भी लविश लड़की के लगातार संपर्क में थी। वारदात की एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसमें आरोपी तीन लड़के उस पर चाकू से हमला करते हुए और बाद में भागते हुए दिख रहे हैं। इस फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी लड़कों की तलाश में कई टीम का गठन कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन ने बताया कि लविश परिवार के साथ राणा पार्क, लिबासपुर में रहता है। इसके परिवार में पिता अनिल कुमार के अलावा मां, एक छोटा भाई व बहन है। पिता का एरिया मे पिज्जा शॉप है। लविश बदरपुर में एक बिल्डिर के पास नौकरी करता है। 26 अप्रैल को लविश की बहन की शादी हुई है।मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे वह किसी काम से अपनी दुकान पर आया था। इस बीच तीन नाबालिग लड़के उसकी दुकान में घुस गए। आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू मारते हुए आरोपी बीच सड़क पर पहुंच गए। कई चाकू मारकर आरोपी मौके से भाग गए। राहगीरों ने लविश को अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन ने बताया कि लविश की एरिया की एक लड़की से दोस्ती थी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान से दीपिका पांडेय की मुलाकात, मनरेगा भुगतान और मजदूरी दरों पर की चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री और महागामा विधायक ने

मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य से जुड़े कई अहम विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में झारखंड सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शिष्टाचार भेंट की। बैठक में झारखंड राज्य में संचालित केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से संबंधित लंबित भुगतान, संसाधन आवंटन और नीति-संशोधन के मुद्दों पर राज्य सरकार ने ठोस मांग रखी। राज्य सरकार की ओर से मंत्री से आग्रह किया गया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सामग्री मद में केंद्र सरकार के पास लंबित 747 करोड़ की राशि को जल्द से जल्द राज्य के में जारी किया जाए। साथ ही यह भी अनुरोध किया गया कि जिन कार्यों से संबंधित बिल के पहले ही मनरेगा पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं, उनकी भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।राज्य के लाखों श्रमिकों को समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने हेतु मनरेगा की मजदूरी मद में केंद्र सरकार से 150 करोड़ की लंबित राशि तत्काल उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि राज्य में मनरेगा प्रशासनिक मद के अंतर्गत कार्यरत लगभग 5400 से अधिक कर्मियों का वेतन एवं संचालन गत खर्च तीन माह से लंबित है। इस कारण योजना संचालन प्रभावित हो रही है। प्रशासनिक मद की राशि शीघ्र जारी करने की मांग की गई। भारत सरकार द्वारा पूर्व में झारखंड राज्य को 25,000 अतिरिक्त राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी, लेकिन इससे संबंधित राशि अभी तक राज्य को प्राप्त नहीं हुई है। प्रशिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए राज्य सरकार ने तत्काल राशि जारी करने की मांग की। झारखंड की मनरेगा मजदूरी दर वर्तमान में 255 प्रतिदिन है, जो अन्य राज्यों की तुलना में कम है। राज्य सरकार ने आग्रह किया कि इसे बढ़ाकर न्यूनतम 405 प्रतिदिन किया जाए।

बॉलीवुड/टैली मसाला

तापसी पन्नू को है इस बात का डर, कंटेंट क्रिएटर की आत्महत्या पर जताई चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने कंटेंट क्रिएटर मीशा अग्रवाल की मौत पर चिंता जताई है। साथ ही का दावा है कि इंस्टाग्राम फॉलोअर्स घटने के बाद अपने करियर के खत्म होने के डर से उन्होंने आत्महत्या कर ली। तापसी पन्नू ने अपने

उन्होंने सोशल मीडिया के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को भी उजागर किया।अभिनेत्री तापसी पन्नू अक्सर समाज में घट रही घटनाओं पर भी प्रतिक्रिया देती हुई नजर आती हैं। अभिनेत्री ने कंटेंट क्रिएटर मीशा अग्रवाल की मौत पर प्रतिक्रिया दी है। मीशा के परिवार इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। अभिनेत्री ने इस घटना को दिल दहला देने वाला बताया। तापसी ने वर्चुअल वैलिडेशन और सोशल मीडिया मेट्रिक्स के बढ़ते जुनून पर अपनी चिंता जताई। मीशा अग्रवाल की मौत पर तापसी पन्नू अपने विचार साझा किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'यह कुछ ऐसा है, जिसे देखकर मुझे बहुत डर लगता था कि बहुत से लोग इसके प्रति जुनूनी हैं। डर है कि एक दिन ऐसा आएगा जब सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या जीने की चाहत को दबा देगी'। तापसी ने कहा, 'डर है कि वर्चुअल प्यार की सख्त जरूरत आपको अपने आस-पास के असली प्यार के प्रति अंधा कर देगी। लाइक और कमेंट से मिलने वाली तुरंत संतुष्टि और वैलिडेशन उन चीजों को पीछे छोड़ देगी जो आपको बहुत अधिक मूल्यवान बनाती हैं। यह देखना दिल दहला देने वाला है।' बुधवार को मीशा के परिवार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए खुलासा किया कि मीशा ने अपने जीवन को प्लेटफॉर्म के इर्द-गिर्द रखा था। उसका एकमात्र लक्ष्य एक मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। उसके फोन के स्क्रीन लॉक पर भी यह टारगेट सेट था। बयान में मीशा के परिवार ने लिखा, 'मेरी छोटी बहन ने इंस्टाग्राम और अपने फॉलोअर्स के इर्द-गिर्द अपनी दुनिया बनाई थी, जिसका एकमात्र लक्ष्य 1 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचना था। जब उसके फॉलोअर्स कम होने लगे, तो वह परेशान हो गई और खुद को बेकार महसूस करने लगी। अप्रैल से वह बहुत उदास थी, अक्सर मुझे गले लगाकर रोती थी, कहती थी, 'जीजा, अगर मेरे फॉलोअर्स कम हो गए तो मैं क्या करूंगी? मेरा करियर खत्म हो जाएगा।' परिवार ने जोर देकर कहा कि उन्होंने उसे याद दिलाने की कोशिश की कि इंस्टाग्राम उसके जीवन का बस एक हिस्सा मात्र है। दुख की बात है कि वह इतनी परेशान हो गई कि उसने अपनी जान ले ली, जिससे हमारा परिवार तबाह हो गया। 26 अप्रैल को मीशा के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके निधन की जानकारी साझा की गई। कंटेंट क्रिएटर ने अपने 25वें जन्मदिन से ठीक दो दिन पहले आत्महत्या कर ली थी।

विजय देवरकोंडा-भाग्यश्री बोरसे के किसिंग सीन ने मचाया तहलका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फिल्म किंग के एक गाने का प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विजय देवरकोंड़ा और भाग्यश्री बोरसे एक दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं।हैअनिरुद्ध रविचंदर और अनुमिता नादेसन की आवाज में गाया गया यह गाना कृष्ण कांत के बोलों से सजा है। प्रोमो में विजय और भाग्यश्री समुद्र किनारे बैठ कर एक दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं। विजय ने अपने इंस्टाग्राम पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, ठविश्वासघात की छाया में, रिश्तों के दिखावे में, एक अजीब का खिंचाव है।ठ उन्होंने दावा किया कि यह गाना हर किसी का फेवरेट बन जाएगा। फैंस भी कमेंट्स में इस जोड़ी की केमिस्ट्री की तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर लोग इस प्रोमो वीडियो पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ठइसे सुनने के बाद रोंगटे खड़े गए।ठ एक अन्य ने लिखा, ठरियल राउडी वापस आ गया है।ठ इसके

अलावा ज्यादातर यूजर्स इस प्रोमो वीडियो पर हार्ट इमोजी के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का 115 सेकंड का प्रोमो भी जारी किया था, जिसमें युद्ध, विनाश और विजय के दमदार किरदार की झलक दिखी थी। लेकिन इस बार गाने का रोमांटिक सीन ने सारी लाइमलाइट चुरा ली है। यह फिल्म पहले 28 मार्च को रिलीज होनी थी, लेकिन अब यह 30 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मोमज के लिए क्रेजी हैं तृप्ति डिमरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तृप्ति डिमरी ने इस वीडियो के जरिए साबित कर दिया कि अगर आपको दो प्लेट मोमज खाने हैं, तो इसके लिए आपको क्या करना चाहिए। यह वीडियो

अब सेलेब्स और प्रशंसकों के बीच जमकर वायरल हो रहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का एक वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है, जिसे सेलेब्स से लेकर फैंस भी पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में तृप्ति कड़ी कसरत करती नजर आ रही हैं और उनका कहना है कि मोमोज खाने हैं, तो पसीना बहाने के लिए तैयार रहो तृप्ति डिमरी ने मोमोज के लिए जबरदस्त वर्कआउट किया और जमकर कैलोरी बर्न की। इस वीडियो में तृप्ति अलग-अलग तरह की एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो अब फैंस के बीच सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। तृप्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी फिटनेट का एक शानदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह दो प्लेट मोमज खाने के लिए तगड़ी एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। उनके इस वीडियो पर लिखा है, 'जब आपको पता चलता है कि यह सब दो प्लेट मोमोज के लिए करना पड़ रहा है'तृप्ति ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'यह फिटनेस प्लान में नहीं था...'। तृप्ति के इस कमेंट के बाद अभिनेत्री अलाया एफ ने उनके इस वीडियो पर कमेंट करते लिखा, 'हाहाहाहाहा मुझे ये पसंद है।' अलाया के अलावा अभिनेता करण वाही ने स्माइली वाले हंसी के इमोजी बनाए।तृप्ति के इस वीडियो पर फैंस ने भी जमकर कमेंट किए। एक फैन ने लिखा, 'मोमो-राक्षस हमारे पास है', एक और फैन ने लिखा, 'हां, मोमोज के लिए कुछ भी', एक और फैन ने लिखा, 'एक्सरसाइज करते हुए भी इतनी प्यारी तृप्ति', एक और फैन ने लिखा, 'जैसे कि आप केवल 2 प्लेट खाते हैं', एक और फैन ने लिखा, 'मोमो तो ठीक है 1 समोसा खाया था उसके लिए डबल वर्कआउट करवा दिया ', एक और फैन ने लिखा, 'फिटनेस फ्रीक', एक और फैन ने लिखा, 'और बगल में रखी चटनी'तृप्ति ने इस वीडियो में मेडिसिन बॉल टैप के साथ प्लैंक, डम्बल के साथ तितली आसन, संतुलित विभाजन, मेंढक छलांग और पशु-प्रेरित चाल में एक्सरसाइज की हैं।

विक्की जैन-निया शर्मा ने किया पंजाबी गाने पर डांस, तेडे-मेड़े मुंह बनाती नजर आईं अंकिता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अंकिता लोखंडे, निया शर्मा और विक्की जैन ने मुंबई में समर्थ जुरेल का जन्मदिन मनाया। लेकिन इस पार्टी के दौरान ऐसा क्या हुआ की अंकिता तेड़े-मेड़े मुंह बनाती नजर आ रही हैंसमर्थ जुरेल विक्की ने अपने मुंबई वाले घर पर भी समर्थ का जन्मदिन मनाया। एक वीडियो में समर्थ, जिन्हें प्यार से 'चिंटू' बुलाते हैं, केक काटते दिखे। विक्की ने उनके लिए खूब चीयर किया और गाल पर किस भी किया। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया।

ने अपना 25वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। उनकी बर्थडे पार्टी में टीवी इंडस्ट्री के कई सितारे शामिल हुए और खूब मस्ती की। इस दौरान अंकिता लोखंडे, निया शर्मा और विक्की जैन ने जमकर डांस किया। लेकिन पार्टी के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि अंकिता तेड़े-मेड़े मुंह बनाती नजर आईं। समर्थ की बर्थ डे पार्टी का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन मस्ती करते दिखे। विक्की और निया '3 पेग' गाने पर नाचते नजर आए, जबकि अंकिता लोखंडे तेड़े-मेड़े मुंह बनाती नजर आईं। इन तीनों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अंकिता और अंकिता ने समर्थ के लिए बर्थडे सॉन्ग गाया और थोड़ा डांस भी किया। करण वीर मेहरा और एल्विश यादव जैसे सितारे भी समर्थ के इस खास दिन में शामिल हुए। अंकिता, विक्की, समर्थ और एल्विश इन दिनों 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 2' में नजर आ रहे हैं। इस शो में कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, निया शर्मा, सुदेश लेहरी, एली गोनी, करण कुंद्रा, रूबीना दिलैक और राहुल वैद्य भी हैं। शो की मेजबानी भारती सिंह कर रही हैं और जज हैं सेलिब्रिटी शेफ हरपाल सिंह सोखी। इससे पहले अंकिता, विक्की और समर्थ 'बिग बॉस 17' में भी दिखे थे, जहां समर्थ वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट थे। यह शो मुनव्वर फारुकी ने जीता था।

बेंगलुरू इवेंट के दौरान एक लड़के पर भड़के गायक सोनू निगम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में गायक सोनू निगम ने एक कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ गानों के प्रति अपना प्रेम जाहिर किया। उसी दौरान वह एक लड़के पर भड़क गए और कहा यही कारण है, जो पहलगाम में

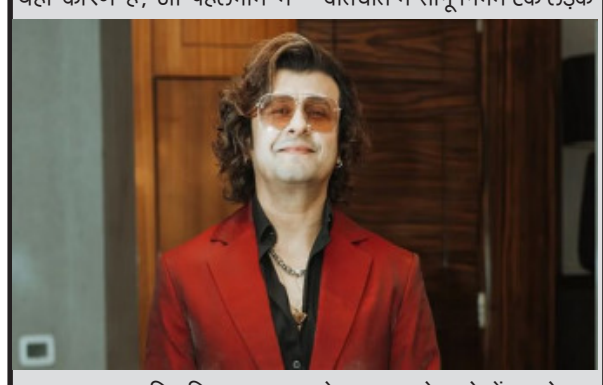

हमला हुआ। जानिए किस हरकत पर सिंगर ने कहा ऐसा।भारतीय सिंगर सोनू निगम का सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बेंगलुरू कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ के प्रति अपना सम्मान प्रकट कर रहे हैं। इसके अलावा गायक इवेंट के समय ही एक लड़के पर अपना गुस्सा जाहिर करते दिख रहे हैं। साथ ही वह इस हरकत को पहलगाम में हुए आतंकी हमल से जोड़ रहे हैं। आइए जानते हैं किस बत पर भड़के सोनू निगम। गायक सोनू निगम हाल ही में बेंगलुरू के एक कॉन्सर्ट में शामिल हुए, जिसका एक क्लिप सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में वह कर्नाटक के प्रति सम्मान जाहिर करते हुए कह रहे हैं, 'मैंने सभी भाषाओं में गाने गाए हैं, लेकिन मैंने अपने जीवन में जो सबसे अच्छे गाने गाए हैं, वे कन्नड़ गाने हैं। मैं आपके बीच में जब भी आता हूं बहुत प्यार से आता हूं। शो तो रोज करते हैं हमलोग, लेकिन जब कभी भी कर्नाटक में शो होते हैं हम बहुत इज्जत से आते हैं क्योंकि आप लोगों ने हमें अपना परिवार माना है।'आगे बातचीत में सोनू निगम एक लड़के के व्यवहार के बारे में बताते हुए कहते हैं, 'मुझे अच्छा नहीं लगा कि वहां एक लड़का था जिसकी उम्र जितनी रही होगी, उससे पहले से मैं कन्नड़ गाने गा रहा हूं। वह मुझे अभद्र तरीके से कन्नड़, कन्नड़ कह रहा था। यही कारण है पहलगाम में जो हुआ है, यही कारण है जो कर रहे हो, जो किया था ना अभी। देखो तो कौन सामने खड़ा है। मुझे कन्नड़ लोगों से प्यार है. मैं तुम लोगों से प्यार करता हूं, लेकिन ऐसा ना करें।' अगर गायक सोनू निगम के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1992 के टीवी सीरियल 'तलाश' से अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद सिंगर 'बॉर्डर' फिल्म के 'संदेशे आते हैं' और 'परदेस' फिल्म के 'ये दिल दीवाना' से मशहूर हो गए। अभी तक सोनू निगम ने कई हिट गाने दिए हैं, जो लोगों की जुबां पर हैं।

मजदूरों की जिंदगी पर बनी हैं ये फिल्में, परदे पर दिखीं मेहनतकशों की दुश्वारियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हर साल 01 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूरों के संघर्ष को कई बॉलीवुड फिल्मों में भी प्रमुखता से दिखाया गया है। 01 मई को दुनियाभर में मजबूर दिवस मनाया जाता है। मजूदरों के संघर्ष और अधिकारों पर चर्चा होती है। सिनेमा की दुनिया में भी मजदूरों के के जीवन पर आधारित फिल्में बनी हैं। इनकी कहानी और संवाद दिल छूने वाले हैं। जानते हैं साल 1957 में आई इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म एक तांगे वाले के संघर्ष पर आधारित है, जिसका किरदार दिलीप कुमार ने निभाया है। इस फिल्म का गाना 'साथी हाथ बढ़ाना' आज भी खूब मशहूर है। फिल्म में अभिनेता के अपने साथी मजदूरों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए किए गए संघर्ष को दिखाया गया है। साल 1959 में आई इस फिल्म में भी दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं। फिल्म की कहानी काम करने वाले मजदूरों और फैक्ट्री

मालिक के ईर्द-गिर्द झूमती है। फिल्म में मजदूरों और फैक्ट्री मालिक के बीच वर्ग संघर्ष की स्थिति को बखूबी फिल्माया गया है।राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन स्टारर यह फिल्म साल 1973 में रिलीज हुई थी। फिल्म में मुंबई की कपड़ा फैक्ट्रियों में यूनियन के उदय को दिखाया गया था। इसके साथ ही इसमें 1970 में महंगाई और मंदी के मुद्दे को भी प्रमुखता ने उठाया गया था। 1970 के दशक की सामाजिक राजनीतिक उथल-पुथल दर्शाती इस फिल्म में भी राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन साथ नजर आए थे। 1975 में आई फिल्म दीवार को हिंदी सिनेमा के इतिहास की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। इसी फिल्म ने बिग बी को बॉलीवुड का एंग्री यंग मैन बनाया था।वास्तविक घटना पर बनी यह फिल्म साल 1979 में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया हादसा बिहार के धनबाद जिले के चसनाला का है, जिसमें कोयला खदान में धमाके के बाद पानी भरने से 372 मजदूरों की मौत हो गई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर ने चौथी बार स्क्रीन शेयर की थीफिल्म कूली में अमिताभ बच्चन ने इकबाल का किरदार निभाया था। जबकि सहायक भूमिकाओं में ऋषि कपूर, रति अग्निहोत्री, कादर खान, वहीदा रहमान, सुरेश ओबरॉय, पुनीत इस्सर आदि नजर आए थे। फिल्म में मजदूरों का संघर्ष और अपने हक की लड़ाई को दिखाया गया है नए दौर की फिल्म का नाम लिया जाए तो 'पुष्पाः द राइज' का नाम सबसे पहले आएगा। इस फिल्म चंदन की लकड़ी का अवैध व्यापार पुष्पराज (अल्लू अर्जुन) मजदूरी से शुरू करता है।

अभिनय से लेकर रेसिंग तक में कमाया नाम, तमिल सिनेमा के स्टार हैं अजित कुमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अपनी अदाकारी के लिए मशहूर तमिल अभिनेता अजित कुमार को रेसिंग का भी शौक है। वह तमिल सिनेमा को कई बेहतरीन फिल्में दे चुके हैं। इसके लिए उन्हें कई अवॉर्डस दिए जा चुके हैं। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातेंतमिल सिनेमा के सुपरस्टार अजित कुमार सुब्रमण्यम का आज जन्मदिन है। वह अब तक 61 तमिल फिल्मों में नजर आ चुके हैं। फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स दिए जा चुके हैं। अभिनेता के अलावा वह रेसिंग ड्राइवर हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेसिंग इवेंट में हिस्सा लिया है। आज उनके जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ खास बातें। अजित कुमार का जन्म 1 मई 1971 को हुआ। उनके पिता केरल से थे और उनकी मां पश्चिम बंगाल से थीं। पढ़ाई पूरी करने के बाद अजित ने सबसे पहले एक कंपनी में मोटरसाइकिल रिपेयरिंग करने का काम करना शुरू किया। इसके बाद पिता के कहने पर कपड़े

का कारोबार किया। फिर वह एक बिजनेस डेवलपर बन गए। इस दौरान वह काम के सिलसिले में कई देश गए और अपनी अंग्रेजी अच्छी कर ली। इसके बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर अपना खुद का कपड़ों का कारोबार किया। काम के साथ-साथ अजित ने मॉडलिंग शुरू की। यहीं से उनकी एक्टिंग का रास्ता खुला। अजित ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 1990 में आई तमिल फिल्म 'एन वेडू एन कनावर' से की। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'राजविन परवयिले' में काम किया जो कामयाब रही। इसके बाद उन्होंने 'आसाई', 'कढाल कोट्टई' और 'काढाल मन्नन' जैसी फिल्में दीं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'वैली' के लिए उन्हें तमिल का सर्वे श्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया।

दर्शकों को कैसी लगी अजय देवगन की 'रेड 2' सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाओं की बाढ़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेड 2' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को देखने के बाद लोग सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।अजय देवगन बड़े पर्दे पर एक बार फिर भ्रष्टाचार और सत्ता के भूखे नेताओं के खिलाफ जंग लड़ते दिखे हैं। उनकी सुपरहिट फिल्म 'रेड' के सीक्वल 'रेड 2' का इंतजार खत्म अब खत्म हो चुका। आज यानी 1 मई को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म में अजय देवगन इनकम टैक्स ऑफिसर अमय पटनायक की भूमिका में लौटे हैं। फिल्म में इस बार उनका मुकाबला दमदार खलनायक दादाभाई से है, जिसे रितेश देशमुख ने बखूबी निभाया है। सोशल मीडिया पर फिल्म के पहले रिव्यू सामने आने लगे हैं। आइए जानते हैं लोगों को यह फिल्म कैसी लगी? एक्स पर एक यूजर ने लिखा, ठरेड 2 देखी। कहानी शानदार है। अजय देवगन वर्सेज रितेश देशमुख...।ठ एक अन्य यूजर ने लिखा, ठक्या मूवी है यार...पैसा वसूल।ठ एक और यूजर ने लिखा, ठपूरी तरह से रोंगटे खड़े कर देने वाली फिल्म। दमदार डायलॉग, इंटेंस सीन...अजय देवगन बेहतरीन फॉर्म में हैं। यह एक धमाकेदार फिल्म साबित होने वाली है।ठ एक और यूजर ने लिखा, ठजरूर देखें। यह पहली फिल्म से काफी अलग और रोमांचक है। अजय देवगन का रोल शानदार है और रितेश देशमुख की एक्टिंग लाजवाब है। कुल मिलाकर यह एक बेहतरीन फिल्म है।ठ अजय देवगन और रितेश देशमुख के बीच इस धमाकेदार टक्कर ने दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी 'रेड 2' साल की सबसे मनोरंजक फिल्मों में से एक होने का दम रखती है। देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है।

एक्ट्रेस बनने का ख्वाब नहीं देखा, फिर कैसे बनीं बॉलीवुड की टॉप हीरोइन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।अनुष्का शर्मा ने अपने 17 साल के करियर में लगभग 20 फिल्में की हैं। कई फिल्मों में अनुष्का ने ऐसे किरदार निभाए जो लीक से हटकर रहे। आज अनुष्का शर्मा का जन्मदिन (1 मई 1988) है। इस मौके पर जानिए, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें।अनुष्का शर्मा ने अपने 17 साल के करियर में लगभग 20 फिल्में की हैं। कई फिल्मों में अनुष्का ने ऐसे किरदार निभाए जो लीक से हटकर रहे। आज अनुष्का शर्मा का जन्मदिन (1 मई 1988) है। इस मौके पर जानिए, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें।अनुष्का शर्मा ने शुरुआत में पत्रकार बनने का सोचा था लेकिन आगे चलकर वह मॉडलिंग में एक्टिव हो गईं। एक मॉल में शॉपिंग करते हुए नामी फैशन डिजाइनर की नजर अनुष्का पर पड़ी, यहीं से उनके लिए रैंपवॉक पर चलने का रास्ता तैयार हुआ। मॉडलिंग में कम समय में ही अनुष्का ने अलग पहचान बना ली। इसी दौरान कई एड फिल्मों में भी नजर आईं। अनुष्का ने कभी भी एक्टिंग करने या एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा। मॉडलिंग की वजह से ही अनुष्का को फिल्मों में आने का मौका मिला। यशराज की तरफ से फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' का ऑफर मिला। इस फिल्म के लिए जब अनुष्का ऑडिशन दे रही

थीं तो करण जौहर ने आदित्य चोपड़ा को सलाह दी थी नई लड़की को फिल्म में ना लें। इस बात का खुलासा कुछ साल पहले करण जौहर ने खुद किया। साथ ही उन्हें इस बात पर गर्व है कि अनुष्का ने बतौर एक्ट्रेस एक कमाल का करियर बनाया है। यशराज के साथ अनुष्का शर्मा ने एक नहीं कई फिल्में कीं। इसमें 'बैंड बाजा बारात', 'लेडीज वर्सेज रिक्की बहल', 'बदमाश कंपनी', 'जब तक है जान' जैसी हिट फिल्में शामिल हैं। अपने फिल्मी करियर में अनुष्का शर्मा ने आमिर खान के साथ 'पीके', शाहरुख खान के साथ 'जब तक है जान', 'जीरो' जैसी फिल्में भी की हैं।' साथ ही सलमान खान के साथ 'सुल्तान' भी की। इस तरह अनुष्का शर्मा उन चंद एक्ट्रेसेस में शामिल हो गईं, जिन्होंने तीनों खान के साथ बड़े पर्दे पर अभिनय किया है। एक्टिंग में खुद को स्थापित करने के बाद अनुष्का शर्मा ने बतौर प्रोड्यूसर भी नई पारी शुरू की है। 'एनएच 10' जैसी फिल्म में लीक से हटकर रोल किया, साथ ही इस फिल्म को प्रोड्यूस भी किया है। अब तक अनुष्का शर्मा 'बुलबुल', 'फिलौरी' और 'परी' जैसी फिल्में भी बतौर प्रोड्यूसर बना चुकी हैं। बताते चलें कि अनुष्का ने जो फिल्में प्रोड्यूस कीं, वह सभी वूमेन सेंट्रिक रहीं। आम महिलाओं की तकलीफ, दर्द को इन कहानियों में बयां किया गया। साथ ही एक्ट्रेस के तौर पर भी जो फिल्में अनुष्का शर्मा ने की हैं, उनमें हीरो के बराबर के किरदार किए, फिल्म में अनुष्का के किरदार की हमेशा खास अहमियत रही। फिल्मों से हटकर अगर अनुष्का शर्मा की पर्सनल लाइफ की बात की जाए तो एक्ट्रेस ने क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की है। साल 2011 में दिसंबर माह में ये दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। 11 जनवरी 2021 को अनुष्का ने बेटी वामिका को जन्म दिया, वहीं 15 फरवरी 2024 में बेटे अकाय को जन्म दिया। इन दिनों अनुष्का फिल्मों से दूर अपने बच्चों की परवरिश में पूरा समय दे रही हैं। जहां तक विराट और अनुष्का के लव रिलेशन की बात है तो इनकी पहली मुलाकात एक एड शूट के दौरान हुई, वहीं से नजदीकियां बढ़ीं और आगे चलकर दोनों ने शादी कर ली। अनुष्का शर्मा ने फिल्मी करियर के जरिए अच्छी-खासी नेटवर्थ भी बना ली है। साल 2018 में एक्ट्रेस का नाम फोर्ब्स मैगजीन (बिजनेस मैगजीन) में आया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 255 करोड़ रुपये अनुष्का की नेटवर्थ बताई जाती है। अनुष्का को फिल्मों में एक्टिंग करके, अपनी प्रोडक्शन कंपनी से और एड फिल्म्स में काम करके यह इनकम होती है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।